mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-37 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
07 फरवरी 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

यूपीआई लेनदेन में फ्रॉड हुआ तो मिलेगा मुआवजा, ब्याज दरों में बदलाव नहीं

महंगाई पर नियंत्रण रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपीआई से लगातार बढ़ते लेनदेन के बीच ग्राहकों से फ्रॉड होने की खबरें भी बढ़ रही हैं। आरबीआई ने कहा है कि यूपीआई से होने वाले लेनदेन में फ्रॉड के बाद ग्राहकों को 25 हजार रुपए तक का मुआवजा दिया जाएगा। इसे आम उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। आरबीआई ने रेपो रेट में कोई बदलाव न करने का निर्णय लिया है। रेपो रेट 5.25 प्रतिशत पर ही बरकरार रहेंगी। इसके पहले करीब एक साल के बीच आरबीआई ने रेपो रेट में 125 बेसिस अंकों की कटौती कर बाजार से नकदी घटाकर महंगाई पर नियंत्रण पाने का प्रयास किया था। रिजर्व बैंक ने कहा है कि बाजार में अभी भी दो लाख करोड़ रुपए की तरलता मौजूद है। नए वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही में महंगाई

चार और 4.2 प्रतिशत पर बने रहने का अनुमान है। आरबीआई ने एमएसएमई सेक्टर और किसानों के लिए कर्ज लेना आसान बनाने के संकेत किए हैं। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बजट में निवेश और रोजगार बढ़ाने के उपाय किए हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने भी सरकार की इसी नीति को आगे बढ़ाते हुए एमएसएमई सेक्टर के लिए 10 लाख रुपए तक का कर्ज बिना गारंटी के लेने की प्रक्रिया आसान करने और कर्ज सीमा बढ़ाने की बात की है। इससे देश के छोटे उद्यमियों को बड़ा लाभ होने की संभावना है। इससे रोजगार के मोर्चे पर भी नए अवसर बनने की संभावना बढ़ेगी। वैश्विक अनिश्चितताओं और विभिन्न देशों से भारत के हो रहे समझौतों के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने भारत की विकास दर 7.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया है। पहले के अनुमान 7.3 प्रतिशत से यह कुछ अधिक है।

किसान क्रेडिट कार्ड से किसानों को बड़ा लाभ मिला है। यह लाभ ज्यादा किसानों तक पहुंचाने के लिए आरबीआई इसके नियमों में बदलाव करने पर विचार कर रहा है। इसका उद्देश्य ज्यादा किसानों तक सस्ते कर्ज को आसानी से पहुंचाना है। आरबीआई इसके बारे में एक एक पोर्टल जारी करेगा। जिन कंपनियों का सीधा आम ग्राहकों से लेनदेन सीमित है और उनका कार्यक्षेत्र भी सीमित है, ऐसे कंपनियों में विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाकर देश में विदेशी पूंजी के प्रवाह को बढ़ाने का भी प्रस्ताव किया गया है।

आरबीआई द्वारा मौद्रिक नीति की घोषणा करने के पहले ही शेयर बाजार में गिरावट हुई और रेपो दरें समान बने रहने के बाद भी यह गिरावट में कारोबार कर रहा है। विदेशी पूंजी के बाहर निकलने से भी विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बना हुआ था। लेकिन शुक्रवार को रिजर्व बैंक ने बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 723.8 अरब डॉलर पर बना हुआ है। स्वर्ण की खरीद से रुपए की स्थिति में सुधार आने की संभावना है।

ममता की केंद्र को दो-टूक BSF का दायरा घटाओ, तभी फेंसिंग के लिए मिलेगी जमीन

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने (फेंसिंग) के लिए जमीन देना मुद्दा नहीं है, केंद्र की नीतियां बाधा बनी हुई हैं। ममता ने केंद्र सरकार के उस फैसले को मनमाना बताया, जिसके तहत सीमावर्ती क्षेत्रों में बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर कर दिया गया है। उन्होंने शर्त रखी कि केंद्र को सबसे पहले इस विस्तारित दायरे को वापस लेना होगा। केंद्र को संघीय ढांचे का सम्मान करना चाहिए। सुरक्षा के नाम पर आम लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को बाधित नहीं किया जा सकता। भाजपा के असहयोग वाले आरोपों को खारिज करते हुए ममता ने कहा कि राज्य सरकार ने रेलवे, रक्षा और सेल जैसी केंद्रीय एजेंसियों को पहले ही पर्याप्त जमीन मुहैया कराई है।

हाईकोर्ट से अबू सलेम की पारोल याचिका खारिज

मुंबई, एजेंसी। अबू सलेम के वकील ने अदालत को बताया कि वह उच्च सुरक्षा एस्कॉर्ट शुल्क देने में असमर्थ हैं। इससे पहले सुनवाई में अदालत ने कहा था कि पारोल लेने के लिए अनिवार्य शुल्क का भुगतान करना जरूरी है और कोई मोलभाव नहीं हो सकता।

17 लाख से ज्यादा का एस्कॉर्ट खर्च :सलेम इस समय नासिक रोड सेंट्रल जेल में बंद है। जेल प्रशासन ने अदालत को बताया था कि अगर सलेम को पुलिस एस्कॉर्ट के साथ पैरोल दी जाती है, तो उसे 17 लाख रुपये से अधिक की राशि एस्कॉर्ट टीम के खर्च के तौर पर जमा करनी होगी। मंगलवार को सुनवाई के दौरान सलेम की वकील फरहाना शाह ने अदालत को बताया था कि यह राशि बेहद ज्यादा है और उनका मुवक्किल वर्षों से जेल में बंद होने के कारण आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हालत में है। उन्होंने कहा कि सलेम एक लाख रुपये से अधिक भुगतान करने की स्थिति में नहीं है।

पहले भी खारिज हो चुकी है मांग : अबू सलेम ने दिसंबर 2025 में हाईकोर्ट का रुख किया था। उसने बताया था कि भाई की मौत नवंबर में हुई थी, लेकिन क्रिसमस अवकाश के कारण याचिका दाखिल करने में देरी हुई। सलेम के अनुसार, उसने 15 नवंबर को 14 दिन की आपात पैरोल के लिए जेल प्रशासन को आवेदन दिया था, ताकि अंतिम संस्कार और अन्य रस्मों में शामिल हो सके। हालांकि, जेल अधिकारियों ने 20 नवंबर 2025 को उसका आवेदन खारिज कर दिया था।

नारेबाजी के बाद लोकसभा सोमवार तक स्थगित

केंद्रीय मंत्री बिट्टू बोले- राहुल पीएम की पाठशाला जाएं तो कामयाब होंगे

राहुल ने उन्हें गद्दार कहा था

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद में शुक्रवार को केंद्रीय बजट 2026-27 पर आम चर्चा होनी है। लोकसभा में शुरुआत प्रश्नकाल से हुई, लेकिन विपक्ष ने हंगामा और नारेबाजी की। 3 मिनट बाद स्पीकर ने सदन को 12 बजे तक स्थगित कर दिया। 12 बजे लोकसभा दोबारा शुरू हुई, लेकिन 7 मिनट तक विपक्ष नारेबाजी और हंगामा करता रहा। इसके बाद लोकसभा 9 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही जारी है।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा- उन्हें कल सबने बालक कहा। आज क्करू की पाठशाला थी, जिसमें बच्चों को कामयाब होना बताया गया। अगर राहुल भी पीएम की पाठशाला में चले जाएं तो जिंदगी में कामयाब हो जाएंगे। गुरुवार को लोकसभा

और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास कर दिया गया। लोकसभा में 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है। वहीं राज्यसभा में पीएम नरेंद्र मोदी के भाषण के बाद प्रस्ताव पास हुआ।

निशिकांत बोले- देश की समस्याएं नेहरू-गांधी परिवार की देन हैं: भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, हम जब 2014 में सरकार में आए तब पारदर्शिता है। लेकिन इस देश के बच्चों को ये नहीं पता कि इस देश में आज जो भी समस्याएं हैं वो नेहरू, गांधी परिवार की देन हैं। जो नेहरू गांधी परिवार ने किया है उसे जानने का अधिकार लोगों को है। इसलिए मैं लाइब्रेरी बनाऊंगा। मैंने देशभर के लोगों से आग्रह किया है कि आपके पास जो किताबें हैं उनकी जानकारी दीजिए, हम वो सब किताबें खरीदेंगे और सब जनता को बताएंगे। वो वन रिसर्च सेंटर होगा।

बजट सत्र में इन बिलों पर चर्चा संभव

बजट सत्र 65 दिनों में 30 बैठकों तक चलेगा। यह 2 अप्रैल को खत्म होगा। 28 जनवरी से शुरू हुआ पहला चरण 13 फरवरी को खत्म होगा। इसके बाद दूसर चरण 9 मार्च को शुरू होगा। लोकसभा में 9 विधेयक लंबित हैं, जिनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, प्रतिभूति बाजार संहिता 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं। इन विधेयकों की वर्तमान में संसदीय स्थायी या प्रवर समितियां जांच कर रही हैं। शुक्रवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, कानून और न्याय, विदेश मंत्रालय, रक्षा और बंदरगाह, शिपिंग और वाटरवे मंत्रालयों सहित कई केंद्रीय मंत्रियों को सदन के पटल पर कागजात रखने हैं। दोपहर 3.30 बजे से लोकसभा में प्राइवेट मेंबर्स का कामकाज होगा।

पंजाब में आप नेता की गोली मारकर हत्या,सिर-सीने पर 6 गोलियां मारीं

जालंधर के गुरुद्वारे में माथा टेकने आए थे, टारगेट किलिंग का शक

जालंधर, एजेंसी। पंजाब के जालंधर में आम आदमी पार्टी के नेता लक्की ओबरॉय की 6 फरवरी की सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। वे 52 साल के थे। स्कूटी पर आए हमलावरों ने उन्हें 6 गोलियां मारीं। 5 सीने में और एक गोली सिर पर लगी। लक्की ओबेरॉय मॉडल टाउन इलाके में गुरुद्वारे में माथा टेकने आए थे। जैसे ही वे गुरुद्वारे से निकलकर अपनी थार गाड़ी में बैठने लगे तो बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। परिजन गंभीर हालत में उन्हें मॉडल टाउन के प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार को विश्वास नहीं हुआ तो वे उन्हें शहर के श्रीराम अस्पताल लेकर गए। यहां भी उन्हें मृत बताया गया। एडीसीपी जयंत परी ने बताया कि पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। CCTV खंगाले जा रहे हैं। हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस को उनकी टारगेट किलिंग का शक है।

परीक्षा पे चर्चा 9वां एडिशन

पीएम आवास पर बच्चों से मिले मोदी, स्वदेशी अपनाने और विकसित भारत का दिया मंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज परीक्षा पे चर्चा के 9वें एडिशन में देशभर से आए बच्चों से मुलाकात की। दिल्ली स्थित पीएम आवास पर मोदी ने पहले बच्चों को असम के गमछे पहनाए और फिर उनके सवालों के जवाब दिए।

पहले एपिसोड में मोदी ने बच्चों को विदेशी चीजें छोड़कर स्वदेशी चीजें अपनाने की सलाह दी। साथ ही, बच्चों से कहा कि वो 25 साल में विकसित भारत बनाने को अपना सपना बनाएं।

पीएम बोले- विकसित भारत को अपना सपना बनाएं :जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तब आप लोग 39-40 साल के होंगे। आपको अभी से विकसित भारत को अपना सपना बनाना चाहिए। भगत सिंह आजादी का सपना दिल में रखकर फांसी पर झूल गए। जो आजादी से 25 साल पहले, 30 साल पहले बलिदान किए गए, उसी से आजादी मिली। अपना सपना बनाएं कि विकसित भारत के लिए मुझे क्या करना है।

पीएम बोले- पंचतंत्र-अभिमन्यु पर गेम बनाओ

गोवा के श्रीजीत गाडगिल ने सवाल किया, मेरा गेमिंग में बहुत इंटरेस्ट है। मगर पेरेंट्स नहीं समझते। मैं क्या करूं। पीएम ने जवाब दिया- भारत देश कहानियों से भरा हुआ है। आप खुद के गेम बनाओ। पंचतंत्र की कहानियों पर गेम बनाओ। अभिमन्यु की कहानी पर गेम बनाओ और अपनी वेबसाइट बनाकर उसपर लॉन्च करो। धीरे-धीरे देखोगे कि कितने लोग तुम्हारे गेम्स खेल रहे हैं। विकसित भारत को अपना सपना बनाएं पीएम बोले- जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तब आप लोग 39-40 साल के होंगे। आपको अभी से विकसित भारत को अपना सपना बनाना चाहिए। भगत सिंह आजादी का सपना दिल में रखकर फांसी पर झूल गए। जो आजादी से 25 साल पहले, 30 साल पहले बलिदान किए गए, उसी से आजादी मिली। अपना सपना बनाएं कि विकसित भारत के लिए मुझे क्या करना है। खुद पर भरोसे से भगाएं कोई भी डर स्टूडेंट ने सवाल किया कि प्रेजेंटेशन देते समय मैं घबरा जाता हूं। इस डर को कैसे भगाऊंपीएम ने कहा- कभी देखा है कि फुटपाथ पर कोई गरीब महिला भी जब टीवी पर किसी घटना के बारे में बताती है तो कितने आत्मविश्वास से बात करती है। क्या उसने इंटरव्यू की कोई प्रैक्टिस की है नहीं। उसका आत्मविश्वास आता है सच्चाई है। उसे पता है कि उसने जो देखा वही कहना है।

प्रेजेंटेशन का डर कैसे भगाएं:स्टूडेंट ने सवाल किया कि प्रेजेंटेशन देते समय मैं घबरा जाता हूं। इस डर को कैसे भगाऊं पीएम ने कहा- कभी देखा है कि फुटपाथ पर कोई गरीब महिला भी जब टीवी पर किसी घटना के बारे में बताती है तो कितने आत्मविश्वास से बात करती है। क्या उसने इंटरव्यू की कोई प्रैक्टिस की है नहीं। उसका आत्मविश्वास आता है सच्चाई है। उसे पता है कि उसने जो देखा वही कहना है। आप भी अपने किए हुए पर भरोसा रखें तो प्रेजेंटेशन का डर भाग जाएगा।

मुंबई में मूक-बधिर युवती से रेप मामले में खुलासा; पांच महीने की प्रेग्नेंट थी

17 लोगों का डीएनए टेस्ट, उनमें पिता ही रेपिस्ट निकला

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के कफ परेड इलाके में एक 20 साल की मूक-बधिर युवती से रेप मामले में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। युवती के आसपास रहने वाले जिन 17 लोगों के DNA सैंपल लिए गए थे, उनमें उसके पिता का ही DNA मैच हुआ है। यह मामला सितंबर 2025 में सामने आया था, जब युवती ने अपनी दादी से पेट दर्द की शिकायत की थी। इशारों के जरिए उसने पेट में अजीब हरकत महसूस होने की बात बताई। इसके बाद उसे मुंबई के कामा एंड अल्बलेस अस्पताल में भर्ती कराया गया। मेडिकल जांच में पता चला कि वह पांच महीने की प्रेग्नेंट है।

मार्च से सितंबर 2025 के बीच हुआ था रेप : अस्पताल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित का अबॉर्शन करा दिया गया था। हालांकि, उसके भ्रूण का DNA सैंपल जांच के लिए लैब भेजा गया। 27 जनवरी को फोरेंसिक रिपोर्ट सामने आई।

इसमें पिता के DNA और भ्रूण से लिए गए सैंपल के बीच मिलान की पुष्टि हुई। इसके बाद 3 फरवरी को पुलिस ने पिता को गिरफ्तार किया।

पिता ने FIR दर्ज कराने से इनकार किया था

मामले में 22 सितंबर 2025 को औपचारिक केस दर्ज किया गया था। शुरुआत में युवती के बोल और सुन न पाने की वजह से बयान दर्ज करने में दिक्कत आई। पुलिस ने उसके पिता से पूछताछ की, लेकिन उन्होंने किसी भी तरह के यौन शोषण से इनकार किया था। हालांकि, पिता अपनी बेटी की प्रेग्नेंसी को लेकर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। उसने FIR दर्ज कराने से भी इनकार कर दिया। काउंसलिंग के बाद युवती ने शिकायत दर्ज कराई।

हिमाचल प्रदेश के 14 जिलों में तापमान 5डिग्री से नीचे,यूपी और एमपी में घना कोहरा

तीन दिन बाद पहाड़ों पर बर्फबारी के आसार

जयपुर/लखनऊ/पटना/शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के 14 शहरों में रात का तापमान 5डिग्री सेल्सियस या इससे नीचे रिकॉर्ड किया गया है। मैदानी इलाकों में घने कोहरे की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा और मंडी के निचले इलाकों में कोहरा रहेगा। वहीं, उत्तर प्रदेश के 11 और मध्य प्रदेश के 30 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। एमपी में बीते 24 घंटे में ग्वालियर समेत 8 शहरों में पारा 10डिग्री से नीचे रहा। उत्तराखंड में भी घने कोहरे की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक पहाड़ी राज्यों में 9 फरवरी से बर्फबारी हो सकती है। उत्तराखंड में 3000 मीटर या उससे ज्यादा ऊंचाई वाले

कुछ इलाकों में बारिश या बर्फबारी के आसार हैं। हिमाचल प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने से 10 और 11 फरवरी को ज्यादातर हिस्सों में अच्छी बारिश-बर्फबारी होगी।

मणिपुर में बंद से जनजीवन प्रभावित, चुराचांदपुर में सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारी

चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में नई सरकार बनने के बाद एक बार फिर हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। राज्य के चुराचांदपुर जिले में दो विधायकों के सरकार बनाने की प्रक्रिया में शामिल होने से कुछ आदिवासी संगठन नाराज हैं। इसके विरोध में शुक्रवार को संपूर्ण बंद का एलान किया गया। इस बंद के कारण कुकी-जो बहुल जिले में जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित है। जिले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

आदिवासी संगठनों ने बुलाया बंद: कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन ने शुक्रवार आधी रात से 24 घंटे के बंद का एलान किया था। वहीं, एक अन्य संगठन ज्वाइंट फोरम आफ सेवन ने भी सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक बंद बुलाया। बंद के कारण बाजार पूरी तरह बंद रहे और सड़कों पर गाड़ियां नहीं चलीं। सरकारी दफ्तरों और स्कूलों में भी बहुत कम लोग पहुंचे। बंद का सबसे ज्यादा असर जिला मुख्यालय के तुइबोंग इलाके में दिखा। जिले में तनाव को देखते हुए अहम जगहों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

एक दिन पहले हुई थी झड़प

इससे पहले गुरुवार शाम को तुइबोंग फारेस्ट गेट के पास भीड़ और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हो गई थी। भीड़ ने सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंके, जिसके बाद उन्हें हटाने के लिए लाठीचार्ज किया गया और आंसू गैस के गोले छोड़े गए। यह झड़प शुक्रवार सुबह 3 बजे तक चली, जिसमें दो प्रदर्शनकारियों के घायल होने की खबर है।

क्यों शुरू हुआ यह विवाद :यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब विधायक एन सनाटे और एल एम खाउते बुधवार को इंफाल पहुंचे थे। वे सरकार बनाने का दावा पेश करने वाली एनडीए टीम का हिस्सा थे। इन दोनों विधायकों ने उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन के साथ गुरुवार को विधानसभा सत्र में वर्चुअली हिस्सा भी लिया था। इसी बात से कुछ संगठन नाराज हैं। वहीं, इंडिजिनस ट्राइब्स एडवोकेसी कमेटी ने चेतावनी दी है।

पाकिस्तानी पीएम बोले- कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा

कश्मीरियों के साथ मजबूती से खड़े, यह इलाका पाक की लाइफ लाइन है

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को PoK में कश्मीर को लेकर एक बार फिर विवादित बयान दिया है। मुजफ्फराबाद में विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा।'

शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों के साथ मजबूती से खड़ा है और जम्मू-

कश्मीर विवाद का हल कश्मीर के लोगों की इच्छा के मुताबिक होना चाहिए। शहबाज ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के प्रस्तावों को लागू करने से ही हो सकता है। उन्होंने कहा, 'मैं पाकिस्तानी लोगों और पाकिस्तानी नेतृत्व की ओर से कश्मीर के अपने भाइयों के साथ एकजुटता दिखाने आया हूं।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने इस क्षेत्र को पाकिस्तान की लाइफ लाइन बताया था।

शहबाज बोले- हम शांति चाहते, यह न्याय के आधार पर संभव

शहबाज ने यह भी कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति चाहता है, लेकिन यह शांति बराबरी और न्याय के आधार पर ही संभव है। हर साल की तरह इस साल भी 5 फरवरी को पाकिस्तान में कश्मीर एकजुटता दिवस (कश्मीर सॉलिडैरिटी डे) मनाया गया। इसमें रैलियां, प्रदर्शन और सेमिनार आयोजित किए गए। स्टेट रन रेडियो पाकिस्तान ने बताया कि संघर्ष में जान गंवाने वालों की याद में सुबह 10 बजे एक मिनट का मौन रखा गया। लोग बैनर और प्लेकार्ड लेकर आए थे। भारत ने पाकिस्तान के दावों को लगातार खारिज किया है। नई दिल्ली का साफ कहना है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग थे, हैं और हमेशा रहेंगे।

जयपुर हवाई अड्डे पर रनवे छूकर फिर आसमान में उड़ा विमान, यात्रियों में मचा हड़कंप

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की राजधानी जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरूवार को इंडियन एयरलाइंस के विमान को पहले प्रयास में लैंडिंग छोड़कर वापस उड़ान भरनी पड़ी। मुंबई से जयपुर पहुंचा विमान दस मिनट तक हवा में चक्कर लगाता रहा। इसके बाद पायलट ने दूसरे प्रयास में सुरक्षित लैंडिंग की।

जानकारी के अनुसार, पायलट ने दोपहर 1:10 बजे लैंडिंग का प्रयास किया लेकिन रनवे को छूते ही विमान को दोबारा हवा में उठा लिया। इसके बाद 1:21 बजे दोबारा विमान सफलतापूर्वक उतारा जा सका। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने में भी इसी तरह की घटना हुई थी।

रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग मामले में बड़ी कार्रवाई, पांच आरोपितों को पुलिस हिरासत में भेजा

मुंबई, एजेंसी। मशहूर फिल्मकार रोहित शेट्टी के मुंबई के जुहू इलाके में स्थित आवास के बाहर हुई फायरिंग के सभी पांच आरोपितों को मुंबई की एस्प्लानेड कोर्ट ने छह दिन की पुलिस हिरासत में भेजा दिया है। रोहित शेट्टी के आवास के बाहर एक फरवरी को तड़के चार राउंड फायरिंग हुई थी। इस मामले में पुलिस ने उसी दिन चार आरोपितों को गिरफ्तार किया। पांचवे आरोपित आसाराम फासले को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। उस पर फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियार की आपूर्ति का आरोप है। उसे अन्य आरोपितों के साथ कोर्ट में पेश किया गया। जज ने आरोपितों को 11 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

सुनवाई के दौरान, पुलिस ने अदालत को सूचित किया कि इंटरनेट मीडिया पोस्ट के माध्यम से इस घटना की जिम्मेदारी ली गई थी। आरोपित सिग्नल एप का इस्तेमाल करके संवाद करते थे। पुलिस ने चार आरोपितों की अधिकतम हिरासत और पांचवे आरोपित आसाराम फासले उर्फ बाबू के लिए 10 दिन की हिरासत की मांग की। प्रारंभिक जांच के अनुसार आरोपितों के तार लारेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य शुभम लोनकर से जुड़े हो सकते हैं।

उदयपुर में इंसानियत शर्मसार: थाने के बाहर एक घंटे तक तड़पता रहा घायल युवक

उदयपुर, एजेंसी। राजस्थान के उदयपुर में लूट की कोशिश के दौरान चाकू से घायल युवक थाने के सामने एंबुलेंस में करीब एक घंटे तक दर्द से तड़पता रहा, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं हुई। बाद में अस्पताल ले जाने पर उसने दम तोड़ दिया। परिजनों के अनुसार, वह कृषि मंडी जा रहा था, तभी रेलवे लाइन के पास तीन बदमाशों ने उसे घेरकर लूट का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपितों ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और फरार हो गए। आरोप है कि अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थाने भेज दिया। थाने में रिपोर्ट लिखने में देरी होने से युवक एंबुलेंस में तड़पता रहा। मौत के बाद परिजनों ने डाक्टरों की कार्रवाई और मुआवजे की मांग की है।

मध्य प्रदेश में दो नाबालिगों ने एआई से बनाई नौ लड़कियों की अश्लील फोटो, हिरासत में आरोपित

छिंदवाड़ा, एजेंसी। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में दो नाबालिग लड़कों ने नौ लड़कियों की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआइ) की मदद से अश्लील फोटो व वीडियो बनाकर उसे कुछ वाट्सएप नंबरों पर प्रसारित किया। लड़कियों की शिकायत पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया है। पीड़िता को उसके मोहल्ले में ही रहने वाले एक लड़के ने उसकी और उसकी दो सहेलियों की एआइ से बनी अश्लील तस्वीरें भेंजी। पीड़िता ने लड़के का मोबाइल छीनकर चेक किया, तो पता चला कि ये तस्वीरें न केवल एआइ से बनाई गई थीं, बल्कि वाट्सएप के जरिए अन्य दोस्तों को शेयर भी की जा रही थी।

NCR में सुबह-शाम तेज हवाओं और दिन में धूप ने बढ़ाई परेशानी; त्तद्व में आंशिक सुधार

नोएडा, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इन दिनों मौसम लगातार करवट बदल रहा है। सुबह और शाम के समय तेज ठंडी हवाओं के कारण गलन बढ़ गई है, जबकि दिन निकलते ही तेज धूप और बढ़ता तापमान लोगों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। मौसम के इस दोहरे प्रभाव से आमजन सर्दी, खांसी, बुखार और वायरल संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में मौसम से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या में लगभग 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, एनसीआर में आने वाले दिनों में सुबह के समय कोहरा बना रह सकता है। मौसम विभाग की वेबसाइट पर जारी पूर्वानुमान के मुताबिक 6 फरवरी को अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इस दिन आर्द्रता 95 से 55 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई है और हल्का कोहरा छाए रहने का अनुमान है। 7 फरवरी को तापमान 24 और 11 डिग्री, जबकि 8 फरवरी को 23 और 10 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई गई है। 8 फरवरी को मॉडरेट फॉग यानी मध्यम स्तर का कोहरा छाने का पूर्वानुमान है। हालांकि इन दिनों मौसम को लेकर फिलहाल कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। तेज हवाओं का असर वायु गुणवत्ता पर भी देखने को मिला है। हवा चलने से प्रदूषक कणों का फैलाव हुआ, जिससे एक्यूआई में आंशिक सुधार दर्ज किया गया। नोएडा के विभिन्न स्टेशनों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक अभी भी खराब श्रेणी में बना हुआ है, लेकिन हालात पहले से कुछ बेहतर हैं। नोएडा सेक्टर-125 में एक्यूआई 243, सेक्टर-62 में 168, सेक्टर-1 में 228 और सेक्टर-116 में 207 दर्ज किया गया। वहीं, गाजियाबाद में इंदिरापुरम का एक्यूआई 245, लोनी में 294, संजय नगर में 213 और वसुंधरा क्षेत्र में 254 रिकॉर्ड किया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि तापमान में उतार-चढ़ाव, सुबह-शाम ठंड और दिन में गर्मी का यह मिश्रण बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। डॉक्टरों ने लोगों को सुबह-शाम गर्म कपड़े पहनने, पर्याप्त पानी पीने और धूप में निकलते समय सावधानी बरतने की सलाह दी है।

जाम से मिलेगी मुक्ति, गौड़ चौक और तिगरी के बीच बनेंगे 2 नए यू-टर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में चारमूर्ति/गौड़ चौक और तिगरी के बीच 60 मीटर चौड़ी सड़क पर दो नए यूटर्न का काम शुरू कर दिया गया है। सर्विस मार्ग को भी जल्द चौड़ा किया जाएगा। इस काम अगस्त तक पूरा करने का लक्ष्य है। इससे वाहनों की आवाजाही सुगम हो जाएगी। नोएडा एयरपोर्ट चालू होने के बाद ट्रैफिक का दबाव और बढ़ जाएगा। यूटर्न के बनकर तैयार होने पर गौड़ सिटी व उसके आसपास की 20 से अधिक सोसाइटियों में रहने वाले डेढ़ लाख से अधिक लोगों को सबसे ज्यादा फायदा होगा।

सर्विस मार्ग को भी किया जा रहा चौड़ा : प्राधिकरण के परियोजना विभाग अधिकारी के मुताबिक दोनों तरफ के सर्विस मार्ग को चौड़ा किया जा रहा है। इससे यह सड़क दो- दो लेन की हो जाएगी। अभी साढ़े तीन मीटर चौड़ी यानी एक लेन की है। गौर सिटी-वन व टू की सोसाइटी में रहने वाले लोगों के साथ क्रॉसिंग रिपब्लिक गाजियाबाद की तरफ जाने वाले लोग भी इस रास्ते से होकर आवाजाही करते हैं। सुबह से लेकर देर रात तक ट्रैफिक का दबाव होने की वजह से अक्सर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए यहां सर्विस मार्ग को चौड़ा करने के साथ तिगरी और गौड़ चौक के बीच मुख्य सड़क पर दो नए यूटर्न बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है।

तीन करोड़ रुपये होंगे खर्च : यूटर्न के निर्माण पर तीन करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। खजूर चौक के पास तिगरी गोलचक्कर से पहले बनने वाले इस यूटर्न से गौड़ सिटी-टू की तरफ से आना-जाना आसान हो जाएगा। वाहन चालकों को अभी तिगरी गोलचक्कर से घूमकर आना पड़ता है। यूटर्न बनने से तिगरी गोलचक्कर पर भी ट्रैफिक जाम की समस्या कम हो जाएगी। राष्ट्रीय राजमार्ग-24 गाजियाबाद की तरफ जाना आसान हो जाएगा।

क्या कह रहे अधिकारी : प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर ने बताया कि यूटर्न और सर्विस मार्ग को चौड़ा करने का काम तय समय में पूरा कराने का प्रयास रहेगा। इससे गौड़ सिटी के आसपास लगने वाले जाम से काफी हद तक राहत मिलेगी। वहीं गौड़ चौक पर निर्माणाधीन अंडरपास का काम भी तेज कर दिया गया है।

ग्रेटर नोएडा के एसीईओ सुमित यादव ने बताया कि गौड़ चौक और तिगरी के बीच सर्विस मार्ग को चौड़ा करने के साथ दो यूटर्न बनाए जा रहे हैं। इससे वाहनों की आवाजाही सुगम हो जाएगी। वहीं, गौड़ चौक पर अंडरपास का काम तेज कर दिया गया है।

ग्रेनो वेस्ट में सड़कों को भी चौड़ा किया जा रहा : ग्रेटर नोएडा वेस्ट में ट्रैफिक सुचारू रूप से चलता रहे इसके लिए प्रमुख सड़कों को चौड़ा करने के साथ यूटर्न बनाए जा रहे हैं। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। वाहनों के सुगम आवागमन के लिए ग्रेटर नोएडा वेस्ट क्षेत्र में पांच से अधिक यूटर्न बनकर तैयार हो गए हैं। इनमें गौड़ चौक-इटेड़ा गोलचक्कर के बीच दो, इटेड़ा-एक मूर्ति गोलचक्कर के बीच दो और एक मूर्ति-रोजा गोलचक्कर के बीच एक यूटर्न शामिल हैं। इसके अलावा चार यूटर्न पहले से ही बने हुए हैं।

डायल-112 बनी जीवनरक्षक, 7 दिनों में त्वरित कार्रवाई से बचीं 57 अनमोल जिंदगियां

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में संचालित डायल-112 आपातकालीन सेवा ने एक बार फिर अपनी त्वरित प्रतिक्रिया, संवेदनशीलता और जन-सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता साबित की है। पुलिस मुख्यालय से जारी जानकारी के अनुसार बीते सात दिनों में डायल-112 की प्रभावी कार्यवाहियों से सड़क दुर्घटनाओं, आपात स्थितियों और रास्ता भटके बच्चों के मामलों में कुल 57 अनमोल जिंदगियां सुरक्षित की गईं।

प्रदेश के मुरैना, सिवनी, शिवपुरी, खरगोन, सागर, छतरपुर, भोपाल, सतना, जबलपुर, अशोकनगर, श्योपुर, नर्मदापुरम, रीवा, बालाघाट, बड़वानी, उज्जैन, टीकमगढ़, इंदौर और छिंदवाड़ा सहित कई जिलों में डायल-112 की एफआरव्ही टीमों ने समय पर मौके पर पहुँचकर घायलों को अस्पताल पहुँचाया तथा भटके हुए बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित उनके परिजनों से मिलाया।

सड़क दुर्घटनाओं में घायल नागरिकों को प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल पहुँचाना, जहरीले पदार्थ के सेवन जैसी गंभीर घटनाओं में त्वरित सहायता देना और घर का रास्ता भटके मासूम बच्चों को सुरक्षित संरक्षण में लेना डायल-112 की मानवीय भूमिका को दर्शाता है।

पुलिस मुख्यालय ने कहा कि डायल-112 सेवा आमजन के लिए भरोसेमंद सुरक्षा कवच बन चुकी है, जो संकट की घड़ी में तुरंत सहायता पहुंचाकर जान बचाने का कार्य कर रही है।

आसाराम आश्रम के अवैध हिस्से पर चलेगा बुलडोजर

अहमदाबाद, एजेंसी। साबरमती नदी किनारे मोटेरा गांव के तालाब की जमीन पर कब्जा कर बनाए गए आसाराम आश्रम के अवैध हिस्से को ढहाया जाएगा। गुजरात हाई कोर्ट ने आसाराम आश्रम की याचिका गुरुवार को खारिज कर प्रशासन को अवैध अतिक्रमण हटाने की मंजूरी दे दी।

सरदार पटेल खेल परिसर से कुछ ही दूरी पर है आश्रम : याचिका में सरकार द्वारा शहर के मोटेरा क्षेत्र में भूखंड को कब्जा मुक्त करने के प्रयास के खिलाफ आपत्ति जताई गई थी। यह भूखंड नरेन्द्र मोदी स्टेडियम और निर्माणाधीन सरदार पटेल खेल परिसर से कुछ ही दूरी पर है।

अदालत के इस फैसले से 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खेल बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भूमि अधिग्रहण का मार्ग प्रशस्त हुआ। सरदार पटेल स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का विस्तार हो सकेगा। गुजरात सरकार व अहमदाबाद महानगरपालिका 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारी के लिए प्रयासरत है।

दशकों पहले यह जमीन सीमित धार्मिक उपयोग के लिए दी गई थी याचिका के खिलाफ सरकारी वकील जीएच विर्क ने जस्टिस वैभवी नानवती की एकल पीठ को बताया कि यह यह अचानक की गई कार्रवाई नहीं है। आश्रम को नोटिस दिया व सुनवाई का पूरा मौका दिया गया। दशकों पहले यह जमीन सीमित धार्मिक उपयोग के लिए दी गई थी लेकिन, धीरे-धीरे अतिक्रमण करके आश्रम का विस्तार किया गया, इसे वैध नहीं ठहराया जा सकता। सरकारी वकील ने कहा कि जमीन इस शर्त पर आवंटित की गई थी कि इसका इस्तेमाल व्यावसायिक गतिविधियों और अनधिकृत निर्माण के लिए नहीं किया जाएगा और अनुमति संबंधी शर्तों का सख्ती से पालन किया जाएगा लेकिन निरीक्षण से पता चला कि आवंटित क्षेत्र से कहीं अधिक व्यापक निर्माण और कब्जा हो चुका है। अहमदाबाद 2030 के राष्ट्रमंडल खेल की तैयारी कर रहा है और ओलंपिक के लिए दीर्घकालिक आकांक्षाओं को बढ़ावा दे रहा है, ऐसे में राज्य द्वारा भूमि को पुनः प्राप्त करने का प्रयास क्षेत्र में खेल सुविधाओं के विकास के प्रयासों को बढ़ावा देता है। इसके बाद हाई कोर्ट ने आश्रम द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया।

पिछले करीब चार दशक से आसाराम का आश्रम चल रहा है: अहमदाबाद के मोटेरा इलाके में पिछले करीब चार दशक से आसाराम का आश्रम चल रहा है। आसाराम आश्रम ने 15 हजार वर्गमीटर जमीन अवैध निर्माण कर रखा है।

महानगरपालिका ने आश्रम के लिए करीब 33 हजार वर्ग मीटर जमीन का आवंटन किया था। आश्रम संचालकों ने साबरमती नदी के किनारा और मोटेरा गांव के तालाब की जमीन पर अवैध कब्जा कर आश्रम के अलग-अलग कमरे भवन आदि का निर्माण कर लिया।

नगर निगम की लीगल कमेटी ने बुधवार को इस मुद्दे पर चर्चा की और तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। निगम के वेस्ट जोन के अधिकारी ने कहा कि आश्रम द्वारा कब्जा की गई जमीन सरकार द्वारा आवंटित की गई थी, लेकिन उस पर गैरकानूनी तरीके से निर्माण किया गया। ऐसी जमीन पर अवैध निर्माण को शुल्क लेकर नियमित नहीं किया जा सकता है।

आश्रम का आवेदन महानगरपालिका ने अक्टूबर 2025 में खारिज कर दिया गया था, जिसके बाद आश्रम ने न्यायालय में याचिका दाखिल की थी।

स्टेडियम के आसपास के इलाके के लिए मास्टर प्लान तैयार : लीगल कमेटी के चेयरमैन प्रकाश गुर्जर के अनुसार नरेन्द्र मोदी स्टेडिम के आसपास सरदार पटेल स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स डेवलपमेंट फेज-2 का काम होगा। इसलिए वहां बने गैर-कानूनी निर्माण गिराने के नोटिस जारी किए गए हैं। स्टेडियम के आसपास के इलाके के लिए मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। इस जमीन को 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल व 2036 में संभावित ओलंपिक खेलों के आयोजन के लिए विकसित की जाएगी।

जेल में है आसाराम : गौरतलब है कि आसाराम को वर्ष 2013 में राजस्थान स्थित अपने आश्रम में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। जनवरी 2023 में, गांधीनगर की अदालत ने उसे दुष्कर्म के एक अन्य मामले में भी आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

विश्व बैंक रिपोर्ट: अर्थव्यवस्था महायुद्ध में भारत ग्लोबल स्टार, पाकिस्तान दाने-दाने को मोहताज

जेनेवा/इस्लामाबाद, एजेंसी। एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड महामारी के बाद भारत और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्थाओं ने बिल्कुल अलग दिशा पकड़ी है। जहां पाकिस्तान कई वर्षों से आर्थिक संकट में फंसा हुआ है, वहीं भारत तेजी से बढ़ते हुए विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में 6प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन यह वृद्धि लंबे समय तक टिक नहीं पाई। 2023 में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति लगभग ठहर सी गई और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने केवल 0.5प्रतिशत विकास का अनुमान लगाया। इसके विपरीत भारत की अर्थव्यवस्था 2023 में 6प्रतिशत से अधिक बढ़ी और इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था की उजली किरण माना गया।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पाकिस्तान की समस्याओं को उसके ही देश के अंदरूनी स्तर पर भी स्वीकार किया जा रहा है। इस्लामाबाद में हुए एक बिजनेस कार्यक्रम में विशेष निवेश सुविधा परिषद के राष्ट्रीय समन्वयक लेफ्टिनेंट-जनरल सरफराज अहमद ने कहा था कि पाकिस्तान के पास कोई विकास योजना नहीं है और देश की वित्तीय स्थिति बुरी तरह बिगड़ी हुई है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी समस्या महंगाई रही है। 2022 से 2023 के बीच महंगाई दर 37.97प्रतिशत तक पहुंच गई, जो पिछले 30 वर्षों में सबसे ज्यादा मानी जा रही है। इससे आम लोगों की जिंदगी मुश्किल हो गई और रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतें बढ़ गई। विश्व बैंक के अनुसार महंगाई के कारण लगभग 13 मिलियन पाकिस्तानियों को गरीबी में गिरना पड़ा। 2023-24 तक गरीबी दर बढ़कर 25.3 प्रतिशत हो गई, यानी लगभग हर चार में से एक व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहा है।

यदि अंतराष्ट्रीय गरीबी मानक (दैनिक 4 डॉलर से कम) लागू किया जाए तो पाकिस्तान की लगभग 45प्रतिशत आबादी गरीब मानी जा सकती है।भारत में भी इस अवधि में महंगाई रहौ। की तुलना में काफी कम थी। भारत में 2023 में मुद्रास्फीति 5-6प्रतिशत के आसपास थी और 2024 में यह और कम हुई। 2023 के अंत में भारत में खुदरा महंगाई 5प्रतिशत से नीचे आ गई, खासकर खाद्य कीमतों के नियंत्रण के कारण। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक औसत पाकिस्तानी उपभोक्ता को भारत के मुकाबले लगभग पांच गुना अधिक महंगाई का सामना करना पड़ रहा है।

वापस धरती पर लौटेगा इंटरेशनल स्पेस स्टेशन

वाशिंगटन, एजेंसी। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन साल 2030 में जब पृथ्वी पर लौटेगा, तब यह सिर्फ एक अंतरिक्ष स्टेशन का अंत नहीं होगा, बल्कि करीब 30 साल तक चले वैश्विक सहयोग और शांति का एक बड़ा अध्याय भी खत्म हो जाएगा। यह वह दौर था जब अंतरिक्ष मानव सहयोग का सबसे मजबूत उदाहरण बना। नवंबर 2000 से अब तक आईएसएस में लगातार इंसानों की मौजूदगी रही है। फुटबॉल मैदान जितना बड़ा यह स्टेशन पृथ्वी के चारों ओर करीब 8 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से घूमते हुए विज्ञान, तकनीक और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को आगे बढ़ाता रहा है।

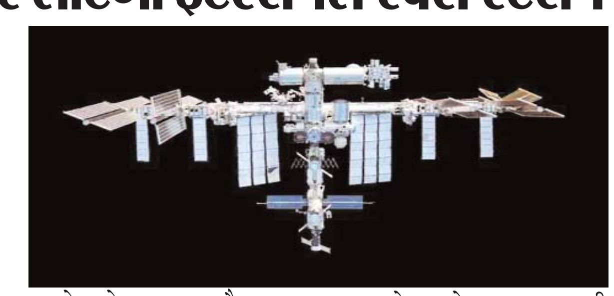

तीन दशक तक इंसान की लगातार मौजूदगी : आईएसएस अब तक का सबसे बड़ा मानव-निवास योग्य अंतरिक्ष प्रयोगशाला रहा है। यहां वैज्ञानिक प्रयोग, नई तकनीकों का परीक्षण और अंतरिक्ष में रहने की मानवीय क्षमता को समझा गया। ठ्ठह्य के पूर्व अधिकारी जॉन हॉर्नयाक के अनुसार, 25 साल से ज्यादा समय तक दिन-रात इंसानों का अंतरिक्ष में रहना मानव इतिहास की एक असाधारण उपलब्धि है। यह दिखाता है कि इंसान टकराव की बजाय सहयोग को चुन सकता है।

शीत युद्ध के बाद सहयोग की मिसाल : आईएसएस की योजना अमेरिका और रूस के बीच शीत युद्ध के बाद बने नए सहयोग की भावना से शुरू हुई थी। पुराने प्रतिद्वंद्वी देशों ने मिलकर इस स्टेशन को बनाया। यह बात खास मानी जाती है कि यूक्रेन युद्ध के कारण रूस और पश्चिमी देशों के रिश्तों में तनाव के बावजूद, आईएसएस पर सहयोग अब तक बना रहा। फ्रांस की अंतरिक्ष एजेंसी ष्टहृश्वस् के अधिकारी लियोनेल सुशे ने कहा कि मानव अंतरिक्ष उड़ान इतिहास की सबसे अहम अंतरिक्ष दौड़ रही है और आईएसएस इसका सबसे महत्वपूर्ण चरण था।

पुराना हो रहा स्टेशन, तय है अंत : समय के साथ आईएसएस के कई हिस्से पुराने हो चुके हैं और उनकी उम्र पूरी होने वाली है। इसी वजह से ठ्ठह्य ने एलन मस्क की कंपनी स्श्चड्डष्द्गङ्ग को एक खास वाहन बनाने की जिम्मेदारी दी है, जो 2030 में आईएसएस को सुरक्षित तरीके से पृथ्वी के वातावरण में वापस लाएगा। जॉन हॉर्नयाक के मुताबिक, स्टेशन की रफ्तार कम की जाएगी और इसे प्रशांत महासागर के एक निर्जन इलाके में गिराया जाएगा, ताकि किसी इंसान या जमीन को नुकसान न पहुंचे। इस इलाके को पहले भी स्पेस स्टेशन जैसे कई अंतरिक्ष यानों को गिराने के लिए इस्तेमाल किया गया है, जिसे पॉइंटनीमो कहा जाता है।

2030 के बाद अंतरिक्ष की तस्वीर: आईएसएस के खत्म होने के बाद लो अर्थ ऑर्बिट में सिर्फ चीन का तियांगोंग स्पेस स्टेशन ही बचा रहेगा। अब अमेरिका का ध्यान निजी कंपनियों द्वारा बनाए जाने वाले स्पेस स्टेशनों पर ज्यादा है।

बिल गेट्स से एलन मस्क तक दुनिया के दिग्गज हस्तियों के नाम एपस्टीन फाइल में आने से भूचाल

वाशिंगटन, एजेंसी। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के काले कारनामों से जुड़ी एपस्टीन फाइल्स एक बार फिर दुनिया भर में चर्चा का केंद्र बन गई हैं। हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा एपस्टीन फाइल से जुड़े लाखों पन्नों के दस्तावेज जारी किए गए हैं। जिसमें दुनियाभर के कई ऐसे दिग्गजों के एपस्टीन के साथ संबंध का खुलासा हुआ है कि गूगल ट्रेंड्स पर इस मामले की सर्च रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

कई हस्तियों के नाम : दरअसल, एपस्टीन फाइल के नए दस्तावेजों में दुनिया के सबसे अमीर और शक्तिशाली व्यक्तियों- जिनमें एलन मस्क, बिल गेट्स और डोनल्ड ट्रंप के साथ एपस्टीन के कथित संबंधों का विवरण दिया गया है। लाखों पन्नों और हजारों तस्वीरों में आए दुनिया के प्रमुख हस्तियों के नाम ने वैश्विक राजनीति और कॉर्पोरेट जगत में हलचल मचा दी है। ज्ञात हो कि अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा 30 जननरी को एपस्टीन फाइल से जुड़े नए दस्तावेज जारी किए गए। लाखों पन्नों के इस फाइल में 180,000 चित्र, 2,000 वीडियो है। जिसमें रिचर्ड ब्रैनसन, बिल गेट्स और एलन मस्क जैसे कई जाने-माने हस्तियों के यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ संबंध उजागर हुए हैं। हालांकि, इन फाइलों में नाम होने का अर्थ सीधे तौर पर किसी अपराध की पुष्टि नहीं है। पहले जारी किए गए दस्तावेजों में जिन लोगों के नाम आए हैं, उनमें से कई लोगों ने एपस्टीन से संबंधित किसी भी गलत काम से इनकार किया है।

एलन मस्क : एपस्टीन फाइल में अरबति एलन मस्क और जेफरी के बीच बातचीत का ईमेल शामिल है। नवंबर 2012 में, मस्क ने एक ईमेल में लिखा, आपके द्वीप पर सबसे धमाकेदार पार्टी किस दिन/रात होगी? हालांकि, मस्क ने कहा है कि उन्होंने कभी एपस्टीन के निजी द्वीप का दौरा नहीं किया है। मस्क ने एक फेसबुक पोस्ट में जवाब देते हुए स्वीकार किया कि ईमेल का इस्तेमाल मेरी छवि खराब करने के लिए किया जा सकता है।

बिल गेट्स : एपस्टीन फाइल में बिल गेट्स के नाम भी शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एपस्टीन ने बिल गेट्स को ब्लैकमेल करने की भी कोशिश की थी। 2013 के कुछ ड्राफ्ट ईमेल में एपस्टीन ने आरोप लगाया था कि गेट्स रूसी लड़कियों के साथ संबंधों के कारण यौन संचारित रोगों की चपेट में आ गए थे और उन्होंने अपने सहयोगियों से दवाएं मंगवाई थीं।

जिला टास्क फोर्स की बड़ी कार्रवाई - रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण पर संयुक्त छापे, कई वाहन व मशीनरी जब्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिला टास्क फोर्स बैठक में दिए गए निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी वनमण्डलाधिकारी प्रीति अहिरवार के निर्देशन तथा उपखण्ड मजिस्ट्रेट सिहावल प्रिया पाठक, उपखण्ड मजिस्ट्रेट कुसमी विकाश कुमार आनंद, उपखण्ड मजिस्ट्रेट शैलेश द्विवेदी एवं जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में विभिन्न संयुक्त जांच दल सक्रिय होकर जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में जांच हेतु रवाना हुए दलों द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध व्यापक कार्रवाई की गई प्रभारी खनि निरीक्षक देवेंद्र महोबे के नेतृत्व में सायं लगभग 6 बजे ग्राम शंकरपुर, तहसील कुसमी में रेत के अवैध भंडारण की शिकायत पर निरीक्षण किया गया जांच में खसरा क्रमांक 61/2, 65 एवं 15 में अवैध रेत भंडारित पाया गया मौके पर प्राप्त जानकारी अनुसार गोपद नदी के शंकरपुर घाट से ट्रैक्टर-ट्रॉली द्वारा अवैध उत्खनन कर रेत लाकर यहां भंडारण किया जाता था तथा रात्रि में जेसीबी से हाईवा में लोड कर विक्रय किया जाता था प्रकरण में मध्यप्रदेश अवैध उत्खनन, भंडारण तथा परिवहन नियम-2022 के तहत कार्रवाई की गई इसी प्रकार रात्रि लगभग 11.30 बजे तहसीलदार बहरी इंद्रभान सिंह एवं प्रभारी खनि निरीक्षक शिशिर यादव व देवेंद्र महोबे के नेतृत्व में ग्राम नकझर, तहसील बहरी स्थित सोन नदी घड़ियाल अभ्यारण्य क्षेत्र में छापामार कार्रवाई की गई।

इसमें 03 हाईवा तथा 01 पोकलेन मशीन अवैध उत्खनन/परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर जब्त कर थाना बहरी में सुरक्षार्थ खड़ी कराई गई संबंधित मालिकों के विरुद्ध खनिज एवं वन अधिनियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी उपखण्ड मजिस्ट्रेट कुसमी विकास कुमार आनंद के नेतृत्व में राजस्व दल द्वारा ग्राम गोतरा, तहसील कुसमी से अवैध परिवहन करते पाए गए 02 ओवरलोडेड हाईवा जब्त कर टिकरी चौकी (मड़वास थाना) में खड़े कराए गए संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया उपवनमण्डल अधिकारी संदीप गौतम के नेतृत्व में रेंज ऑफिसर सतीश चंद्र मिश्रा द्वारा ग्राम चमराडोल एवं खड़ौरा क्षेत्र में जांच के दौरान अवैध रेत परिवहन में संलिप्त 02 ट्रैक्टर जब्त कर वन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए उल्लेखनीय है।

शिक्षा विभाग में 28 लाख का महाघोटाला उजागर बिना काम ठेकेदार को भुगतान, डीईओ-एडीपीसी-एपीसी पर एफआईआर की आहट

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। घोटालों को लेकर पहले से ही चर्चा में रहने वाला रीवा जिला एक बार फिर सुर्खियों में है इस बार मामला स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़ा है, जहां अनुरक्षण मद की राशि में करीब 28 लाख रुपये के बड़े घोटाले का सनसनीखेज खुलासा हुआ है बिना किसी कार्य के ही ठेकेदार को लाखों रुपये का भुगतान किए जाने से विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा रीवा जिले के 140 से अधिक शासकीय विद्यालयों में मरम्मत, रंगाई-पुताई एवं अनुरक्षण कार्यों के लिए लगभग 50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी स्पष्ट निर्देश थे कि आवश्यकता के अनुसार अधिक से अधिक विद्यालयों में कार्य कराए जाएं लेकिन आरोप है कि जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) रामराज मिश्र ने नियमों को ताक पर रखते हुए मात्र छह विद्यालयों के नाम पर एक ही ठेकेदार को 28 लाख रुपये से अधिक की राशि का भुगतान कर दिया मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि जिन विद्यालयों के नाम पर भुगतान दर्शाया गया वहां के प्राचार्यों ने साफ-साफ कहा है कि न तो उनके विद्यालयों में कोई मरम्मत या पुताई का कार्य कराया गया और न ही उनके द्वारा किसी प्रकार का कार्य सत्यापन किया गया। बढ़ईया, खटखरी और दुआरी विद्यालयों के प्राचार्यों ने तो इस पूरे सत्र में किसी भी प्रकार के अनुरक्षण कार्य से इनकार कर दिया है इतना ही नहीं, पीएम गुढ़ विद्यालय के प्राचार्य ने कार्य अधूरा पाए जाने पर भुगतान रोकने एवं एफआईआर दर्ज कराने की अनुशंसा करते हुए डीईओ को पत्र भी लिखा था इसके बावजूद संबंधित ठेकेदार को पूरा भुगतान कर दिया गया, जिससे संदेह और गहरा गया है इस पूरे मामले में डीईओ के साथ-साथ एडीपीसी नवीन श्रीवास्तव एवं एपीसी सुधाकर तिवारी की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। भुगतान प्रक्रिया में इन अधिकारियों की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है मामला सामने आते ही रीवा से लेकर भोपाल तक शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है सूत्रों की मानें तो जांच के बाद संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने की तैयारी चल रही है।

पहाड़ी पर मिला रहस्यमयी जीवाश्म, 12 मीटर लंबी हड्डिया; दांत 5 दिन बाद भी नहीं पहुंची पुरातत्व विभाग की टीम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्राम कोरौली कला के अतरौला पहाड़ी पर संदिग्ध जीवाश्म (फॉसिल) मिला है सिहावल जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों के अनुसार, यहां 11 से 12 मीटर लंबी विशाल हड्डियां देखी गई हैं इस खोज से इलाके में उत्सुकता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग और सिहावल एसडीएम को इसकी सूचना दी थी जीवाश्म का आधा हिस्सा पहाड़ में दबा अतरौला निवासी नारायण केवट ने बताया कि जब उन्हें पहाड़ी पर विशाल हड्डियां दिखीं तो उन्होंने सरपंच को सूचित किया। हालांकि, मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया इस दौरान कुछ बच्चों ने हड्डियों को इधर-उधर फेंकना शुरू कर दिया जिससे ऐतिहासिक साक्ष्यों को नुकसान पहुंचने का खतरा पैदा हो गया नारायण केवट ने स्वयं पहल करते हुए बिखरी हड्डियों को एकत्र कर एक स्थान पर सुरक्षित रखा ग्राम पंचायत से जुड़े राम सुमिरन पटेल ने बताया कि इस घटना को करीब पांच दिन बीत चुके हैं लेकिन अभी तक किसी भी विभाग का कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा है हड्डियां पहाड़ी क्षेत्र में चारों ओर बिखरी पड़ी हैं जिससे इनके नष्ट होने की आशंका बढ़ रही है सिहावल की एसडीएम और पुरातत्व विभाग की अधिकारी प्रिया पाठक ने बताया कि उन्हें इस संबंध में जानकारी मिली है। उन्होंने पुरातत्व विभाग से संपर्क करने का प्रयास किया है लेकिन अभी तक कोई विशेषज्ञ टीम मौके पर नहीं पहुंची है वन विभाग को भी स्थल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सूचित किया गया है।

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में 'परीक्षा पे चर्चा-2026' का विद्यार्थियों ने देखा सीधा प्रसारण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के निर्देशन एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती के मार्गदर्शन में शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में 'परीक्षा पे चर्चा-2026' के 9वें संस्करण का सीधा प्रसारण विद्यार्थियों को दिखाया गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच तथा मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना था, जिससे परीक्षा के तनाव को कम करते हुए परीक्षा को उत्सव की तरह अनुभव किया जा सके मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विद्यार्थियों शिक्षकों एवं अभिभावकों से संवाद करते हुए परीक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, विषयों को गहराई से समझने तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया यह संवाद प्रधानमंत्री की युवा-हितैषी सोच एवं दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक रहा कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफएवं विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की कार्यक्रम का संयोजन प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर बी.एल. सिंह अयाम द्वारा किया गया।

अवैध रेत परिवहन करते 3 वाहन जब्त, वन परिक्षेत्र में टीम ने गश्त के दौरान की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली वन परिक्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ वन विभाग ने कार्रवाई की है गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात गश्त के दौरान वन विभाग की टीम ने बिना वैध कागजात के रेत ले जा रहे तीन वाहनों को जब्त किया इस कार्रवाई में दो अलग-अलग वन अपराध के मामले दर्ज किए गए हैं वन परिक्षेत्र अधिकारी सतीश चंद्र मिश्रा के निर्देश पर गठित रात्रि गश्त दल ने बीट चमराडोल के अंतर्गत पड़वारी नाला क्षेत्र में निगरानी की इसी दौरान वन क्षेत्र से अवैध रूप से रेत ले जा रहे एक आयशर ट्रैक्टर को सीधी-व्यौहारी मुख्य मार्ग पर ग्राम दडौर के पास रोककर पकड़ा गया ट्रैक्टर की ट्रॉली में रेत भरी हुई थी लेकिन चालक कोई वैध टीपी या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका बोलेरो और बाइक भी जब्त इसी मामले में एक बोलेरो वाहन और एक बाइक को भी अवैध रेत परिवहन में सहयोगी पाए जाने पर जब्त किया गया इस संबंध में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 72/16 दिनांक 5 फरवरी 2026 दर्ज किया गया है एक अन्य कार्रवाई में मझौली-मड़वास मुख्य मार्ग पर ग्राम खडौरा के पास एक महिंद्रा 265 डीआई ट्रैक्टर को रोका गया ट्रैक्टर वन क्षेत्र की ओर से आ रहा था और उसमें लदी रेत के संबंध में भी कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले आशंका जताई जा रही है कि यह रेत भी वन क्षेत्र से अवैध रूप से निकाली गई थी इस मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 93/12 दर्ज किया गया है अवैध रेत परिवहन में पहले भी शामिल रहा है वाहन मालिक वन विभाग ने बताया कि दूसरे ट्रैक्टर का मालिक पहले भी अवैध रेत परिवहन के मामलों में शामिल पाया जा चुका है।

संस्कृत भाषा के प्रति रुचि बढ़ाने हेतु संस्कृत प्रभारी सतीश पाण्डेय का नवाचार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिला संस्कृत प्रभारी सतीश कुमार पाण्डेय द्वारा विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि विकसित करने एवं इसके प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से शासकीय हाई स्कूल बम्हनी में संस्कृत भाषा पर आधारित विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया कार्यक्रम के अंतर्गत श्लोक लेखन, श्लोक गायन, निबंध लेखन, चित्रकला एवं दूरभाष वार्ता जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं जिनमें विद्यालय बम्हनी के कुल 44 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया इस नवाचार के माध्यम से पाण्डेय ने विद्यार्थियों के बीच संस्कृत भाषा के महत्व को प्रभावी रूप से स्थापित किया प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक अनुराग उपाध्याय, विकास कुमार शर्मा, दीप्ति सिंह एवं रामजनम कोल (भृत्य) को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया साथ ही प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले तथा प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र के साथ डिक्शनरी, डाइन बॉक्स, परीक्षा पैड एवं पेन प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में एकदिवसीय स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में 06 फरवरी 2026 को उद्यमिता, स्टार्टअप इकोसिस्टम एवं फाइनेंस विषय पर एकदिवसीय स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में उद्यमशीलता की भावना विकसित करना, स्टार्टअप की व्यावहारिक समझ प्रदान करना तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना था कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डॉ. मुकेश कुमार यादव सहायक प्राध्यापक (अर्थशास्त्र) द्वारा उद्यमिता की मूल अवधारणाओं एवं उद्यमी व्यक्तित्व विकास पर विस्तार से जानकारी दी गई द्वितीय सत्र में प्रो. राकेश कुमार प्रजापति नोडल अधिकारी इन्क्यूबेशन सेंटर ने स्टार्टअप इकोसिस्टम एवं फाइनेंस से संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की उन्होंने प्रतिभागियों को भारत के विकसित होते स्टार्टअप परिदृश्य से अवगत कराते हुए बताया कि स्टार्टअप इंडिया पहल के अंतर्गत दिसंबर 2025 तक 2 लाख से अधिक डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स कार्यरत हैं तथा 120 से अधिक यूनिकॉर्न कंपनियाँ अस्तित्व में हैं साथ ही भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन चुका है उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि वर्तमान में लगभग 50 प्रतिशत स्टार्टअप्स टियर-2 एवं टियर-3 शहरों से उभर रहे हैं, जो सीधी जैसे क्षेत्रों के युवाओं के लिए प्रेरणादायक अवसर प्रस्तुत करते हैं कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में महाविद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि छात्रों को आत्मनिर्भर, नवोन्मेषी एवं रोजगार सृजनकर्ता बनाना है इन्क्यूबेशन सेंटर ऐसे स्किल-आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को स्टार्टअप यात्रा के लिए तैयार करने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

चलती जेसीबी में लगी आग, फायर बिग्रेड न होने से मशीन खाक; शॉर्ट सर्किट से हादसे की संभावना

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के सरई क्षेत्र में बरका तिराहा पर एक चलती जेसीबी मशीन अचानक आग का गोला बन गई देखते ही देखते मशीन पूरी तरह जलकर खाक हो गई हालांकि चालक समय रहते नीचे उतर गया जिससे उसकी जान बच गई दुधमनिया निवासी राजू पटेल की जेसीबी मशीन काम के लिए जा रही थी तभी उसमें से धुआं निकलने लगा ड्राइवर ने तुरंत मशीन रोककर आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि उसे काबू करना मुश्किल हो गया संसाधनों की कमी आई सामने जेसीबी मालिक का कहना है कि सरई क्षेत्र में फायर ब्रिगेड या आग बुझाने के इंतजाम न होने की वजह से नुकसान ज्यादा हुआ जब तक लोग मदद के लिए कुछ कर पाते तब तक मशीन पूरी तरह जल चुकी थी शुरुआती तौर पर माना जा रहा है कि आग लगने की वजह बिजली का शॉर्ट सर्किट हो सकती है।

शिक्षा समरसता और प्रगति का संदेश देते हुए संपन्न हुआ कक्षा 12वीं विदाई समारोह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए गरिमामय एवं हर्षोल्लासपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम उप आयुक्त श्री राजेंद्र कुमार वर्मा एवं सहायक आयुक्त (संकुल प्रभारी) दीक्षा ज्योति मिश्रा के मार्गदर्शन तथा प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी के नेतृत्व में कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुआ।

तत्पश्चात सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के साथ विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों द्वारा समूह नृत्य, एकल गीत, समूह गीत, कुर्सी दौड़ एवं गुब्बारा दौड़ जैसी मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं विद्यालय के पूर्व कप्तान संदीप गुप्ता एवं प्रगति गुप्ता ने कक्षा 6वीं से 12वीं तक के अपने सकारात्मक अनुभव साझा किए कक्षा 12वीं विज्ञान एवं कला संकाय के विद्यार्थियों ने अपने छह वर्षों के अनुभवों को साझा करते हुए जूनियर छात्रों को शिक्षकों के मार्गदर्शन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी विद्यार्थियों ने प्राचार्य एवं स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय में बिताए पलों को यादगार बताया विद्यालय कप्तान हर्षित द्विवेदी एवं गर्ल्स कप्तान कु. अनुपमा द्विवेदी ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास पर छात्र प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों का स्वागत किया एवं उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट किए।

जेल में विचाराधीन कैदी की संदिग्ध मौत, परिजनों ने जेल प्रबंधन पर लगाया आरोप

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जेल में एक विचाराधीन कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई घटना के बाद मृतक के परिजनों ने जेल प्रबंधन पर मारपीट और प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं जेल में बंद मृतक की पहचान खुटार चौकी क्षेत्र के बनाउली गांव निवासी रमाकांत पटेल के रूप में हुई है पुलिस ने रमाकांत को 18 दिसंबर 2025 को उसके घर में गांजा उगाने के आरोप में गिरफ्तार किया था तब से वह जिला जेल में विचाराधीन कैदी के रूप में बंद था परिजनों को नहीं दी गई तबीयत बिगड़ने की जानकारी मृतक के भाई रणधीर पटेल ने बताया कि जेल प्रशासन ने रमाकांत की तबीयत खराब होने की कोई जानकारी परिवार को नहीं दी अचानक फोन पर मौत की सूचना दी गई रणधीर पटेल का आरोप है कि जब उन्होंने भाई का शव देखा तो शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे जिससे मारपीट की आशंका है जेल प्रशासन का पक्ष जिला जेलर लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी ने बताया कि गुरुवार सुबह बंदी की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया जेल प्रशासन के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है जांच के बाद होगा खुलासा फिलहाल मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं जांच पूरी होने के बाद ही कैदी की मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पंजाब के प्राकृतिक सुरक्षा कवच पर चोट

संपादकीय

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दर्शाती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है।

दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं।

बच्चों को ऐश की चाबियाँ माता पिता की जिम्मेदारी और समाज की चेतना

कांतिलाल मांडोत

सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी केवल एक मामले तक सीमित नहीं है बल्कि यह पूरे समाज के लिए चेतावनी की तरह है कि बच्चों को बिना जिम्मेदारी सिखाए सुविधाओं की चाबी सौंप देना कितना खतरनाक साबित हो सकता है ।पुणे के चर्चित नाबालिग कार चालक दुर्घटना मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने जो कहा वह हमारे सामाजिक ढांचे पर सीधा सवाल खड़ा करता है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब माता पिता अपने बच्चों को समय नहीं दे पाते जब वे संवाद नहीं कर पाते तब वे पैसे और सुविधाओं से उस कमी को पूरा करने की कोशिश करते हैं। और यही प्रवृत्ति आगे चलकर गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि नाबालिगों को कार की चाबियां देना महंगे शौक पूरे करने के लिए बेहिसाब पैसा देना और उनकी गतिविधियों पर नियंत्रण न रखना केवल व्यक्तिगत चूक नहीं है बल्कि यह सामूहिक लापरवाही का प्रतीक है ।आज के शहरी समाज में यह पैटर्न बार बार सामने आ रहा है। जहां कम उम्र के बच्चे देर रात पार्टियों में शामिल होते हैं ,शराब और नशे के संपर्क में आते हैं। तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं। और निर्दोष लोगों की जान खतरे में डाल देते हैं। इसके बाद जब दुर्घटना होती है तो प्रभाव और पैसे के बल पर सबूतों से छेड़छाड़ की कोशिश की जाती है। मेडिकल साक्ष्य बदले जाते हैं। और कानून के शिकंजे से बचने के रास्ते तलाशे जाते हैं।

पुणे का यह मामला इसलिए भी झकझोरने वाला है क्योंकि इसमें दो युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की जान चली गई जो अपने भविष्य के सपने संजोए हुए थे। एक पल की लापरवाही ने उनके परिवारों की दुनिया उजाड़ दी। अदालत ने जिन तीन आरोपियों की जमानत अर्जी पर सुनवाई की वे सबूत मिटाने और रक्त के नमूने बदलने जैसे गंभीर आरोपों में घिरे थे ।यह दर्शाता है कि समस्या केवल नाबालिग की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की है जहां अपराध के बाद भी सच को दबाने की कोशिश होती है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सबसे अहम पहलू यह है कि उसने जिम्मेदारी का केंद्र माता पिता को माना है ।न्यायालय ने कहा कि माता पिता के पास बच्चों से बात करने का समय नहीं होता यही मूल समस्या है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में करियर और सामाजिक प्रतिष्ठा की दौड़ में माता पिता यह भूल जाते हैं कि बच्चों के साथ समय बिताना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है ।जब संवाद टूटता है तो बच्चे मोबाइल फोन क्रेडिट कार्ड और महंगी गाड़ियों के सहारे अपनी मर्जी की दुनिया बना लेते हैं ।उन्हें यह नहीं सिखाया जाता कि स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी आती है।

आज भारत में नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं के आंकड़े डराने वाले हैं ।वर्ष 2023 24 में ऐसे लगभग बारह हजार हादसे दर्ज किए गए जिनमें हजारों लोगों की जान गई। यह केवल संख्या नहीं है बल्कि हजारों परिवारों का दर्द है। हर दुर्घटना के पीछे एक कहानी है किसी मां की सूनी गोद किसी पिता का टूटा सहारा और किसी बच्चे का अधूरा बचपन यह आंकड़े बताते हैं कि कानून के साथ साथ सामाजिक चेतना की भी सख्त जरूरत है।

कानून पहले से मौजूद है मोटर वाहन अधिनियम नाबालिगों के वाहन चलाने पर सख्त प्रतिबंध लगाता है और हाल के वर्षों में अभिभावकों पर भी जुर्माने और सजा का प्रावधान किया गया है लेकिन कानून तब तक प्रभावी नहीं हो सकता जब तक समाज उसे स्वीकार न करे। जब तक माता पिता यह न समझें कि प्यार का मतलब हर मांग पूरी करना नहीं है बल्कि सही और गलत के बीच फर्क सिखाना है।

सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह से इसे गंभीर सामाजिक समस्या बताया है,वह हमें आत्ममंथन के लिए मजबूर करता है क्या हम बच्चों को केवल सुविधाएं दे रहे हैं या संस्कार भी क्या हम उन्हें यह सिखा रहे हैं कि सड़क पर चल रही हर गाड़ी के सामने एक इंसान की जिंदगी होती है क्या? हम उन्हें यह समझा पा रहे हैं कि कानून से बचना चतुराई नहीं बल्कि कायरता है।

> **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्र भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित हो गये हैं, उनके नाम पर भारतीय जनता पार्टी आसानी से चुनाव की वैतरणी पार कर जाती है। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लगा होगा कि नरेंद्र मोदी की शक्ति ईमानदारी है, इसलिए उन्होंने राफेल में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया और गौतम अडानी के बहाने जोरदार हमले किये, उनके कई आरोप उच्चतम न्यायालय तक गये हैं, जहां आरोपों में कोई दम नहीं निकला, साथ ही आम जनता का भाव भी नरेंद्र मोदी के प्रति नहीं बदला। चीन से तनाव के समय जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुये नरेंद्र मोदी को कमजोर प्रधानमंत्री सिद्ध करने का प्रयास किया पर, आम जनता पर कोई असर नहीं हुआ। पाकिस्तान से संघर्ष विराम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में बताया पर, आम जनता ने उनकी बातों पर विश्वास नहीं किया।**

राहुल की जिद और उद्दंडता से शुरू हुआ बुक वॉर

बी पी गौतम

अब राहुल गांधी को लगता है कि नरेंद्र मोदी पर आम जनता, उनके स-शक्त निर्णयों को लेकर अटूट विश्वास करती है, इस छवि को आघात पहुँचाने के उद्देश्य से ही राहुल गांधी पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की अ-प्रकाशित पुस्तक के अंश को मुद्दा बनाने का प्रयास कर रहे हैं, साथ ही स्वयं को निडर और स-शक्त दर्शाने के लिये उद्दंडता पूर्ण व्यवहार करते हुये भी दिखाई दे रहे हैं लेकिन, उन्हें इस बात का अहसास भी नहीं है कि उनकी निरर्थक जिद और उद्दंडता से, उनकी ही छवि खराब हो रही है, साथ ही पुस्तकों के हवाले से ही अब भाजपा भी गड़े मुर्दे उखाड़ेगी, जिससे नेहरू-गांधी खानदान के कु-कृत्यों की दुर्गंध पुनः ताजा हो सकती है, इसी विषय पर चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

यह है ताजा प्रकरण -संसद का बजट सत्र हंगामें की भेंट चढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय सेना के पूर्व अध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की तथा-कथित अ-प्रकाशित पुस्तक का उल्लेख करते हुए दावा किया कि चीन की सेना भारत की सीमा में घुस रही थी, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोई स्पष्ट निर्णय नहीं लिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में राहुल गांधी द्वारा सदन में तथा-कथित पुस्तक के कोट करने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि सदन के नियमों के विरुद्ध है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं चाहता हूं कि लोकसभा में विपक्ष के नेता सदन के समक्ष वह पुस्तक प्रस्तुत करें, जिसका वे हवाला दे रहे हैं, क्योंकि जिस पुस्तक का वे उल्लेख कर रहे हैं, वह प्रकाशित नहीं हुई है। राजनाथ सिंह ने लोकसभा अध्यक्ष से कहा कि राहुल गांधी को सदन में बिना तथ्य के बोलने की इजाजत न मिले, साथ ही गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी बिना प्रामाणिकता के बात न करें, वह एक मैगजीन की रिपोर्ट पढ़ रहे हैं। मैगजीन में कुछ भी लिखा जा सकता है, रक्षा मंत्री की बात का भरोसा करें, राहुल को किसने बताया कि चीनी टैंक आये थे, चर्चा राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हो रही है। अमित शाह ने कहा कि विवाद राहुल गांधी ने समाप्त कर दिया है, उन्होंने खुद कहा कि पुस्तक प्रकाशित नहीं हुई है, उसका सदन में जिक्र कैसे हो सकता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी को कई बार टोका और सदन के नियमों का हवाला देते हुए रूलिंग दी कि अ-प्रकाशित सामग्री को सदन में उद्धरित करना नियमों के विरुद्ध है, इसके बावजूद राहुल गांधी अपनी बात पर अड़े रहे, जिससे हंगामा और बढ़ गया। राहुल ने कहा कि आप ही बता दीजिए कि मैं क्या बोलूं, सत्ता पक्ष ने इसे सदन की मर्यादा के विरुद्ध बताया, जबकि विपक्ष का कहना था कि चीन से जुड़े तथ्य अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और चर्चा रोकी जा रही है। असलियत में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या के भाषण के बाद राहुल ने बोलना शुरू किया था, उन्होंने कहा कि तेजस्वी ने कांग्रेस पार्टी के विरुद्ध आरोप लगाए और हमारी देशभक्ति पर सवाल उठाए, इस पर राहुल ने पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की आत्मकथा को कोट करना शुरू किया, राहुल ने कहा कि नरवणे की आत्मकथा एक मैग्जीन में छपी है, इसके बाद राहुल ने मनोज मुकुंद नरवणे की आत्मकथा को कोट करना शुरू किया कि आप समझेंगे कि कौन है देशभक्त, वो कहते हैं कि चीनी टैंक भारतीय पोजशीन में कैलाश रेंज के कुछ सौ मीटर ही दूर थे। ओम बिरला ने भी सदन के नियम-349 का उल्लेख करते हुए कहा कि अखबार की कटिंग या, अ-प्रकाशित पुस्तकों पर चर्चा करने की परंपरा नहीं है, सदन की कार्यवाही नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार चलती है, इसके बाद सोमवार से ही सदन में हंगामा शुरू हो गया और फिर राहुल गांधी सदन के बाहर भी मुद्दे को लगातार उठा रहे हैं और सदन में न बोलने देने का आरोप लगा रहे हैं।

यह कहता है नियम- 349- लोकसभा की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने के लिये कई तरह के नियम बनाये गए हैं, जिनका प्रत्येक सांसद को पालन करना होता है, ऐसा ही एक नियम- 349 है, इस नियम के अंतर्गत सदन में किसी भी चित्र, पत्र, अ-प्रकाशित पुस्तक या, समाचार पत्र का प्रदर्शन करने पर रोक है, इस नियम के अंतर्गत किसी भी सदस्य के बोलते समय गलत तरीके से या, शोर से बीच में बोलने से नहीं रोका जा सकता है, बोलने वाले किसी सदस्य के बीच से नहीं गुजरा जा सकता है, जब कोई दूसरा सदस्य बोल रहा हो तो, कार्यवाही में रुकावट नहीं डाल सकते हैं, सीटी नहीं बजा सकते और कमेंट्री नहीं कर सकते हैं, सदन में नारे नहीं लगा सकते हैं, इसी तरह संसद भवन परिसर में भी कोई भी ऐसा साहित्य, सवाल-जवाब, पैम्फलेट, प्रेस नोट, लीफलेट आदि नहीं बांटे जा सकते हैं।

पुस्तक लिखने को सैन्य अफसरों के लिए हैं कड़े नियम-मनोज मुकुंद नरवणे 2019 से 2022 तक भारतीय सेना के अध्यक्ष रहे थे, इन्होंने फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी नाम से पुस्तक लिखी है, इस पुस्तक में उन्होंने अपने कैरियर, नेतृत्व और 2020 में भारत-चीन सीमा पर लद्दाख में हुए तनाव के बारे में भी लिखा है लेकिन, पुस्तक अभी तक विधिवत प्रकाशित नहीं हुई है। असलियत में सैन्य अधिकारियों द्वारा पुस्तक लिखने पर कई नियम हैं। अगर, किसी पुस्तक में संवेदनशील जानकारी है तो, उसके लिये विशेष नियम बनाये गये हैं। सेवारत अधिकारियों के लिये Army Act, Official Secrets Act और Service Conduct Regulations के अंतर्गत कई प्रतिबंध होते हैं, इसलिए कोई भी सैन्य अधिकारी बिना केंद्र सरकार की अनुमति के सेवा से जुड़ी जानकारी, राजनीतिक मुद्दे या, गोपनीय बातें पुस्तक, लेख या, भाषण में नहीं बता सकता है, ऐसा करने पर दंडित किया जा सकता है। सेवानिवृत्त अधिकारियों के लिये जून 2021 में सेंट्रल सिविल सर्विसेज (पेंशन) रूल्स में संशोधन किया गया है, जिनमें बताया गया है कि खुफिया या, सुरक्षा से जुड़े विभागों में काम करने वाले सेवानिवृत्त अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के अपनी सेवा से जुड़ी जानकारी प्रकाशित नहीं कर सकते है, रक्षा सेवाओं में भी pre-publication clearance व्यवस्था लागू होती है। रक्षा सेवाओं पर नियम सीधे नहीं बल्कि, समान सिद्धांत के रूप में लागू होते हैं। पूर्व सेना प्रमुख जैसे उच्च पद के अधिकारी गोपनीय जानकारी रखते हैं, ऐसे में उनकी पुस्तक की प्री-पब्लिकेशन सिक्योरिटी क्लियरेंस यानी, पूर्व समीक्षा बेहद आवश्यक होती है। रक्षा मंत्रालय और भारतीय सेना पुस्तक की लाइन-बाय-लाइन जांच करती है। अगर, पुस्तक में संवेदनशील बातें जैसे, सीमा विवाद, ऑपरेशन या, नीतियों से संबंधित जानकारी है तो, सरकार बदलाव की मांग कर सकती है या, प्रकाशित करने की अनुमति नहीं देती है, इसी प्रक्रिया में मनोज मुकुंद नरवणे की पुस्तक है, उनकी पुस्तक 2024 से रक्षा मंत्रालय की समीक्षा में है और प्रकाशक से कहा गया है कि समीक्षा पूरी होने तक पुस्तक के अंश या, सॉफ्ट कॉपी किसी को न दें, इस पर मनोज मुकुंद नरवणे ने अक्टूबर 2025 में कहा था कि पुस्तक लिखना उनका काम था, अनुमति लेना प्रकाशक का। गत वर्ष अक्टूबर में मनोज मुकुंद नरवणे एक लिटरेचर फेस्टिवल में हिमाचल प्रदेश के कसौली गये थे, जहां उन्होंने कहा था कि मुझे लगता है कि यह मैच्योर हो रही है, पुरानी शराब की तरह, जितनी देर लगेगी, यह ज्यादा से ज्यादा विंटेज होगी, ज्यादा कीमत वाली।

अ-प्रकाशित पुस्तक का उल्लेख नहीं कर सकते-अ-प्रकाशित पुस्तक कानूनी रूप से आम नागरिकों के लिए उपलब्ध नहीं होती है। प्रकाशन से पहले पुस्तक की पांडुलिपि लेखक, प्रकाशक और समीक्षा करने वाले अधिकारी तक सीमित रहती है, ऐसे में कोई भी आम आदमी, पत्रकार या, राजनीतिज्ञ पुस्तक को कानूनी रूप से नहीं पढ़ सकते हैं। अगर, पुस्तक का कोई अंश लीक हो गया है और उस हिस्से को कोई पढ़ता है या, शेयर करता है तो, यह गोपनीयता का उल्लंघन माना जा सकता है, इसीलिये लोकसभा में अ-प्रकाशित पुस्तक का अंश पढ़ने की अनुमति राहुल गांधी को नहीं मिली।

समाचार एजेंसी ने लीक किये थे पुस्तक के अंश-नियम के विरुद्ध एक समाचार एजेंसी ने मनोज मुकुंद नरवणे की पुस्तक के अंश प्रकाशित किये थे। एजेंसी के समाचार में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर रेचिन ला पर्वत दर्रे पर चीन की सेना और टैंकों का उल्लेख था, इन अंशों में बताया गया था कि जब चीन की ओर से यह नापाक हरकत की जा रही थी, उस दौरान मनोज मुकुंद नरवणे ने चीन-भारत की सेना के बीच हुई तनाव की स्थिति पर रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और रक्षा कर्मचारियों के प्रमुख से बातचीत की थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ फोन पर बातचीत के बाद दिमाग में कई अलग-अलग विचार दौड़ रहे थे। उन्होंने रक्षा मंत्री को स्थिति की गंभीरता की जानकारी दी, उन्होंने कहा कि उस दौरान पीएम से भी बात की थी। उन्होंने कहा था कि यह पूरी तरह से एक सैन्य निर्णय है, जो उचित समझो, वो करो, साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे अपनी इच्छानुसार कार्य करने की पूर्ण स्वतंत्रता के साथ एक कड़ा फैसला लेने की जिम्मेदारी दी गई थी, उस दिन को याद करते हुए उन्होंने लिखा है कि इसके बाद मैंने एक गहरी सांस ली और कुछ मिनटों के लिए चुप-चाप बैठा रहा। दीवार घड़ी की टिक-टिक को छोड़कर सब कुछ शांत था। उन्होंने लिखा कि मैं आर्मी हाउस में था, एक दीवार पर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का नक्शा था, दूसरी दीवार पर पूर्वी कमान का, वे अचिह्नित नक्शे थे लेकिन, जैसे ही मैंने उन्हें देखा, मैं प्रत्येक इकाई के स्थान की कल्पना कर सकता था, हम हर तरह से तैयार थे लेकिन, क्या मैं वास्तव में युद्ध शुरू करना चाहता था? यह सवाल मन में था।

अध्ययन किये बिना बोले राहुल गांधी- सदन में गलवां घाटी का उल्लेख करते हुये राहुल गांधी ने शोर-शराबे के बीच कहा कि चीन के टैंक कैलाश रिज पर हमारी पोजिशन से सिर्फ कुछ 100 मीटर ही दूर थे, इस दौरान राहुल गांधी ने मनोज मुकुंद नरवणे को सेना प्रमुख भी कहा, इससे स्पष्ट है कि राहुल गांधी ने स्वयं ही गहन अध्ययन नहीं किया है, क्योंकि कैलाश रिज लद्दाख में है और वह डोकलाम से अलग क्षेत्र है, साथ ही मनोज मुकुंद नरवणे डोकलाम तनाव के समय सेना प्रमुख भी नहीं थे, इस दौरान सेनाध्यक्ष बिपिन रावत थे। मनोज मुकुंद नरवणे के कार्यकाल में भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में तीन अलग-अलग हिस्सों में संघर्ष हुआ था, इनमें कैलाश रिज का रेजांग ला एक हिस्सा था। डोकलाम सिक्किम के पास भारत, भूटान और चीन के बीच का एक ट्राई-जंक्शन है, एक सपाट और ऊंचा पठार है। कैलाश रिज पूर्वी लद्दाख में स्थित है, जो पैंगोंग सो झील के दक्षिण से शुरू होकर रेजांग ला और रेचिन ला जैसे दर्रों तक फैली पहाड़ियों की एक रिज है।

यह हैं भारत-चीन के बीच विवाद के कारण-भारत और चीन के विवाद के पीछे की बात करें तो, डोकलाम विवाद भूटान और चीन के बीच है। भारत भूटान के दावे का समर्थन करता है, क्योंकि यह भारत की सुरक्षा (चिकन नेक कॉरिडोर) के लिए बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। 2017 में चीन के निर्माण संबंधी प्रयासों को रोकने के लिए भारत ने क्षेत्र में सेना तैनात कर दी थी, जिसको लेकर दोनों देशों के बीच 73 दिनों तक तनाव रहा था, फिर चीन ने अपनी सेना को वापस बुला लिया था, इस दौरान भारतीय सैनिकों ने शारीरिक रूप से क्षेत्र को ब्लॉक किया था।

डराने लगी है ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया

> **ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया कितनी भयावह एवं घातक हो सकती है, इसकी एक ही दिन में दो अलग-अलग जगह घटी घटनाओं ने न केवल झकझोरा है, बल्कि यह हमारे समय, हमारी सामाजिक संरचना और हमारी सामूहिक असावधानी पर लगा हुआ एक गहरा प्रश्नचिह्न बना है। धीरे-धीरे किशोरवय को अपने चपेट में लेने वाली यह प्रवृत्ति कितनी हृदयविदारक हो सकती है, उसका उदाहरण बुधवार को घटी ये दो भयावह घटनाएं हैं। एक हृदयविदारक घटना में गाजियाबाद की तीन अल्पवयस्क बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली।**

ललित गर्ग

इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 12, 14 और 16 साल की तीन सुकोमल बहनें असमय काल-कवलित हो गईं। ऑनलाइन कोरियन गेम की दीवानी बहनें कोरिया में जाकर बसने और वहीं नया जीवन शुरू करने का सपना देखती थीं। घर वालों ने जब उनकी ऑनलाइन सनक से परेशान होकर उनसे मोबाइल छीन लिए, तो वे तनाव व अवसाद में घिर गईं। फिर तीनों बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसी ही घटना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी घटी जहां एक पंद्रह वर्षीय किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछुड़ने के गम में घर में आत्महत्या कर ली। किशोर दसवीं का छात्र था। इन घटनाओं ने समाज को स्तब्ध ही नहीं किया, बल्कि भीतर तक गहरा घाव दिया है। यह कोई आकस्मिक या अलग-थलग घटना नहीं है। इससे पहले झाबुआ, भोपाल और देश के अन्य हिस्सों में सामने आई ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि आभासी दुनिया किस तरह वास्तविक जीवन पर हावी होती जा रही है और हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां संवेदनाएं, संवाद और जीवन-मूल्य स्क्रीन के पीछे दम तोड़ते जा रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में अपराध नहीं है, न ही तकनीक शत्रु है, लेकिन जब यह बच्चों और किशोरों के लिए लत बन जाए, तो यह एक धीमा जहर बन जाती है। यह जहर चुपचाप बच्चों के मस्तिष्क में प्रवेश करता है, उनकी सोच, उनकी भावनात्मक संरचना और उनके निर्णय लेने की क्षमता को विकृत करता है। गेमिंग की दुनिया बच्चों को तात्कालिक रोमांच, आभासी जीत और काल्पनिक पहचान देती है, लेकिन धीरे-धीरे वही दुनिया उन्हें वास्तविक जीवन से काट देती है। परिवार, मित्र, पढ़ाई, प्रकृति, खेल और संवाद-सब कुछ पीछे छूटने लगता है। गाजियाबाद की तीनों बहनों का यह कदम इसी कटाव का चरम और भयावह परिणाम है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के मस्तिष्क में आवेग नियंत्रण को कमजोर करती है। जोखिम का आकलन करने की क्षमता घटती है और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती है। हार, असफलता या गेम से वंचित किए जाने की स्थिति में अवसाद, क्रोध और निराशा गहराने लगती है। कई बार बच्चे आत्महत्या जैसे चरम कदम को भी एक 'गेम ओवर' की तरह देखने लगते हैं। यह सोच अपने आप में अत्यंत खतरनाक है। आत्महत्या की प्रवृत्ति का बढ़ना केवल मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चुनौती है, जो हमारी परवरिश, हमारी प्राथमिकताओं और हमारी नीतियों पर सवाल उठाती है।

आज के परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और संवाद की कमी ने बच्चों को अकेलेपन की ओर धकेला है। स्मार्टफोन कई घरों में बच्चों की चुप्पी खरीदने का सबसे आसान साधन बन गया है। रोता बच्चा हो, जिद करता बच्चा हो या समय न देने की मजबूरी-मोबाइल फोन एक त्वरित समाधान बन चुका है। लेकिन यही समाधान आगे चलकर सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि बच्चा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, स्नेह और समय चाहता है। जब यह सब उसे स्क्रीन से मिलने लगता है, तो परिवार की भूमिका स्वतः कमजोर हो जाती है। यह भी एक कठोर सत्य है कि कई माता-पिता स्वयं डिजिटल लत के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों को रोकने का नैतिक और व्यवहारिक अधिकार भी कमजोर पड़ जाता है। हम बच्चों से अपेक्षा करते हैं कि वे मोबाइल कम चलाएं, जबकि हमारे अपने हाथों में हर समय फोन रहता है। यह दोहरा व्यवहार बच्चों के मन में भ्रम और विद्रोह दोनों पैदा करता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल बच्चों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि पूरे पारिवारिक वातावरण में संतुलन लाने से जुड़ा है।

सरकार और समाज की भूमिका भी इस संकट में कम महत्वपूर्ण नहीं है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन उसके सामाजिक प्रभावों पर पर्याप्त नियंत्रण और निगरानी का अभाव है। कई गेम्स में हिंसा, आक्रामकता और जोखिम भरे व्यवहार को सामान्य और रोमांचक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बच्चों के लिए आयु-उपयुक्त सामग्री, समय-सीमा और चेतावनी संकेतों को सख्ती से लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। सरकार को चाहिए कि वह ऑनलाइन गेमिंग और डिजिटल कंटेंट के लिए स्पष्ट और कठोर नियामक ढाँचा विकसित करे, जिसमें बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि हो। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह सकती। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन-कौशल को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग कैसे किया जाए, न कि तकनीक के गुलाम कैसे बना जाए। शिक्षकों को भी बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों, अकेलेपन, चिड़चिड़ेपन और अचानक गिरते शैक्षणिक प्रदर्शन जैसे संकेतों को गंभीरता से लेना होगा।

मनोवैज्ञानिक सहायता को लेकर समाज में जो झिझक और संकोच है, उसे भी तोड़ना होगा। मानसिक स्वास्थ्य को कमजोरी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। यदि किसी बच्चे में अवसाद, अत्यधिक चुप्पी, आक्रामकता या आत्मघाती विचारों के संकेत दिखें, तो समय रहते विशेषज्ञ की मदद लेना अत्यंत आवश्यक है। देर करना कई बार अपूरणीय क्षति में बदल जाता है। निस्संदेह, ये आत्मघात की घटनाएं, ऑनलाइन गतिविधियों के अतिरेक से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को लेकर गंभीर सवालों को जन्म देती हैं। निश्चित रूप से आत्मघात की ये घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं और अभिभावकों को आसन्न संकट के प्रति सचेत करती हैं। दरअसल,ये दुखद घटनाएं एक घातक प्रवृत्ति को ही उजागर करती हैं कि गेमिंग और डिजिटल संपर्क लाखों युवाओं को आभासी समुदाय और मनोरंजन तो प्रदान कर सकते हैं, लेकिन साथ ही ये भावनात्मक कमजोरियों,सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की पूर्ति न होने जैसी समस्याओं को भी जन्म दे सकते हैं। हालांकि, वहीं दूसरी ओर समाज विज्ञानी इस बात पर भी बल देते हैं कि केवल गेमिंग या ऑनलाइन मित्रता ही आत्महत्या का कारण नहीं बन सकती हैं। निस्संदेह, आत्महत्या एक जटिल और बहुआयामी घटना है। लेकिन समस्याग्रस्त डिजिटल जुड़ाव, विशेष रूप से जब यह ऑफलाइन जीवन से अलगाव, बाधित शिक्षा और तीव्र भावनात्मक तनाव के साथ होता है तो संवेदनशील युवा मन में परेशानी को और बढ़ा सकता है। गाजियाबाद की यह घटना हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि हमने बच्चों के लिए कैसी दुनिया बनाई है। क्या हमने उन्हें संवाद दिया, या केवल उपकरण थमा दिए? क्या हमने उन्हें संस्कार दिए, या केवल सुविधाएं? क्या हमने उन्हें सुनने का समय दिया, या केवल आदेश? यह आत्ममंथन केवल पीड़ित परिवारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे समाज को अपने भीतर झांककर देखना होगा।

जिले में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम बना वरदान

अब नहीं जाना पड़ता अन्य जिलों में, पांच हजार से अधिक मरीजों को मिला नि:शुल्क उपचार का लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (जीवनधारा) के अंतर्गत जिले में किडनी रोगियों को नि:शुल्क हेमोडायलिसिस सेवा उपलब्ध कराई जा रही है जिससे अब तक पांच हजार से अधिक मरीजों को लाभ मिल चुका है यह सुविधा विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिन्हें पहले उपचार के लिए अन्य जिलों अथवा राज्य के बाहर जाना पड़ता था मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि जिले में 01 अक्टूबर 2024 से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम प्रारंभ किया गया था, जिसका उद्घाटन प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा किया गया था। बीते डेढ़ वर्ष में अब तक 5,210 से अधिक मरीजों का सफल डायलिसिस किया जा चुका है। इनमें नेगेटिव 3503, पॉजिटिव (सी) 1474 तथा पॉजिटिव (बी) 232 मरीज शामिल हैं। वर्तमान में मनेन्द्रगढ़ स्थित 220 बिस्तरीय जिला चिकित्सालय में यह सुविधा पूर्णत: नि:शुल्क प्रदान की जा रही है उन्होंने बताया कि डायलिसिस उन मरीजों के लिए आवश्यक होती है जिनकी किडनी की कार्यक्षमता 90 प्रतिशत से अधिक प्रभावित हो चुकी होती है विशेष रूप से स्टेज-5 क्रोनिक किडनी रोग, अचानक किडनी फेल्योर, अनियंत्रित मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसी जटिलताओं से पीड़ित मरीजों को इस उपचार की आवश्यकता पड़ती है डायलिसिस प्रक्रिया के माध्यम से शरीर से अपशिष्ट पदार्थ एवं अतिरिक्त तरल को बाहर निकालकर मरीजों को राहत दी जाती है स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार जब किडनी शरीर की आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ हो जाए शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगें, अत्यधिक थकान, उल्टी, सांस लेने में तकलीफ अथवा फेफड़ों में पानी भरने जैसी स्थिति उत्पन्न हो तब डायलिसिस आवश्यक हो जाती है यह प्रक्रिया मरीज की स्थिति के अनुसार अस्थायी या स्थायी दोनों प्रकार की हो सकती है जिला अस्पताल में उपलब्ध इस नि:शुल्क सुविधा से मरीजों का आर्थिक बोझ कम हुआ है तथा उन्हें समय पर उपचार मिल रहा है, जिससे जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और भरोसा दोनों बढ़े हैं।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय मे परीक्षा पे चर्चा पीएम मोदी के टिप्स से विद्यार्थियों में बढ़ा आत्मविश्वास

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय में आयोजित 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का नौवां संस्करण विद्यार्थियों के लिए उत्साह और प्रेरणा से भरपूर रहा कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संवाद को सुनते हुए छात्र-छात्राओं ने परीक्षा से जुड़े तनाव को दूर करने और बेहतर तैयारी के लिए कई उपयोगी टिप्स सीखे कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करना और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना रहा प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि परीक्षा को बोझ नहीं बल्कि उत्सव की तरह लें उन्होंने समय प्रबंधन, स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक संतुलन बनाए रखने पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को रोजाना अपने कार्यों की योजना बनाने, साथियों के साथ सहयोग बढ़ाने और निरंतर अभ्यास करने की सलाह दी कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मिरे के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रामाश्रय शर्मा, ए.पी.सी. सूर्योदय सिंह, ए.डी.पी.ओ. गणेश यादव सहित शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को उपयोगी और प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इससे परीक्षा के प्रति उनका डर कम हुआ और तैयारी के प्रति नई ऊर्जा मिली विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को तनावमुक्त वातावरण में सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं जिससे शिक्षा प्रणाली को अधिक छात्र-केंद्रित बनाने में मदद मिलती है।

सद्भावना स्टेडियम नई लेदरी में युवाओं ने दिखाई खेल प्रतिभा

रेणुका सिंह ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नई लेदरी में जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक 2026 का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आयोजित इस दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना, उनमें सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना रहा आयोजन के माध्यम से जिले में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने और नई खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का प्रयास किया गया प्रतियोगिता के दौरान एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल गतिविधियों में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने हुनर व खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया मैदान में खिलाड़ियों का उत्साह, जोश और खेल भावना दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही प्रतियोगिता ने युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया तथा उन्हें खेलों के माध्यम से आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान की कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र की विधायक एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं उन्होंने खिलाड़ियों से निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी एमसीबी विनोद जायसवाल ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए आयोजन की रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी दी कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, खेल प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति रही सभी अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सफल, प्रेरणादायी एवं युवाओं के लिए लाभकारी बताया अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हाई स्कूल कंजिया में स्वास्थ्य विभाग जनकपुर का बहुउद्देशीय स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग जनकपुर के तत्वावधान में शासकीय हाई स्कूल कंजिया में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए मानसिक स्वास्थ्य आयुष चिकित्सा एवं बाल नेत्र सुरक्षा विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया गया शिविर के दौरान छात्रों को मानसिक तनाव से निपटने सकारात्मक सोच विकसित करने तथा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई आयुष चिकित्सा सत्र में प्राकृतिक जीवनशैली, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और दैनिक दिनचर्या में सुधार के उपाय बताए गए वहीं बाल नेत्र सुरक्षा अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों की आंखों की जांच कर उन्हें डिजिटल स्क्रीन से होने वाले दुष्प्रभावों तथा आंखों की देखभाल के आवश्यक सुझाव प्रदान किए गए कार्यक्रम के सफल संचालन में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. रमन के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. शिवपाल सिंह ने आयुष एवं प्राकृतिक चिकित्सा के लाभों पर जानकारी दी विकास खंड कार्यक्रम प्रबंधक सुलेमान खान ने कार्यक्रम के समन्वय एवं प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाई नेत्र सहायक अधिकारी आर.एस. चेचाम ने विद्यार्थियों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया।

आत्मानंद स्कूल में परीक्षा पे चर्चा का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आज स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय छात्र-छात्राओं को परीक्षा के तनाव से मुक्त करने हेतु प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का नौवां संस्करण हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया उन्होंने परीक्षा से जुड़ी चिंताओं एवं समस्याओं को सुना तथा उनके समाधान भी बताए 'परीक्षा पे चर्चा' भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई एक विशेष पहल है, यह कार्यक्रम छात्रों को प्रधानमंत्री से सीधे जुड़ने और अपनी शंकाएँ साझा करने का सशक्त मंच प्रदान करता है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत हैंडपंप तकनीशियन व जल मित्रों का प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (प्रशिक्षण वर्ष 2025-26) के अंतर्गत जिला में ग्राम पंचायत स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत जल जीवन मिशन द्वारा समस्त हैण्डपंप तकनीशियन एवं जल मित्रों के लिए ग्राम पंचायत विकास योजना (मॉडल जीपीडीपी) विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, जल आपूर्ति व्यवस्था के प्रभावी संचालन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा इस दौरान जल जीवन मिशन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई तथा फील्ड स्तर पर आने वाली समस्याओं, चुनौतियों एवं उनके व्यावहारिक समाधान पर भी विस्तार से चर्चा की गई कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर एवं जिला समन्वयक (सीडीएटी) रितेश डिक्सेना ने प्रतिभागियों को तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया वहीं आईईसी प्रतिनिधि नवीन कुमार की भी सक्रिय सहभागिता रही प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने ग्राम पंचायत विकास योजना की प्रक्रिया, जल स्रोतों के संरक्षण, हैंडपंपों के रखरखाव एवं ग्रामीण जल प्रबंधन के विभिन्न आयामों पर जानकारी प्राप्त की कार्यक्रम में शामिल हैंडपंप तकनीशियनों एवं जल मित्रों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए प्राप्त ज्ञान को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से ग्राम स्तर पर योजनाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित होगा।

एडवोकेट सुसाइड केस, एसआई को नहीं मिली जमानत वकील को फांसी के लिए उकसाय

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने एडवोकेट मृत्युंजय सिंह चौहान के सुसाइड केस में आरोपी मुरैना में पदस्थ सब इंस्पेक्टर प्रीति जादौन की अग्रिम जमानत को लेकर लगाई गई याचिका को खारिज कर दिया है न्यायालय ने सब इंस्पेक्टर को आत्महत्या के लिए उकसाने के गंभीर मामले में अग्रिम जमानत देने से साफ इनकार कर दिया कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह केवल टूटा हुआ रिश्ता या भावनात्मक तनाव का मामला नहीं है, बल्कि लगातार धमकी, भय और कथित हमले का सिलसिला सामने आता है घटना के कुछ ही दिनों बाद आत्महत्या होना अभियोजन के पक्ष को मजबूती देता है आरोपी एक सेवारत पुलिस अधिकारी है, ऐसे में उस पर कानून के पालन की अधिक जिम्मेदारी है पद का दुरुपयोग, गवाहों को धमकाने के आरोप और कथित हथियार की बरामदगी न होना, जांच के लिए हिरासत में पूछताछ को जरूरी बनाता है वकील मृत्युंजय चौहान और वह घर जहां उसने फांसी लगाई है सिविल लाइन थाने में पदस्थ महिला एसआई प्रीति जादौन के मंगेतर ग्वालियर निवासी वकील मृत्युंजय सिंह चौहान ने 14-15 दिसंबर 2025 की रात गोला का मंदिर थाना क्षेत्र स्थित आदर्शपुरम में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी वकील के आत्महत्या का पता 15 दिसंबर की दोपहर चला था वकील द्वारा आत्महत्या का कारण 12 दिसंबर को मुरैना पुलिस लाइन के सरकारी क्वार्टर में हुए एक घटनाक्रम को बताया गया है।

फेसबुक फ्रेंड ने छात्रा से 3 लाख ठगे :छात्रा ने टास्क पर इन्वेस्ट कर 20 प्रतिशत प्राफिट के लालच में गंवा दिए 3 लाख रुपए

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। ऑनलाइन ट्रेडिंग और टास्क के नाम पर एक छात्रा से 3 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है इंदरगंज थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है शुभम कॉम्पलेक्स डीडी मॉल के पीछे रहने वाली 20 वर्षीय जूली बीए की छात्रा है। 15 जनवरी को उसकी फेसबुक पर एक अनजान युवक से दोस्ती हुई युवक ने खुद को ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश करने वाला बताया और टास्क के जरिए निवेश पर 20 प्रतिशत तक मुनाफा मिलने का लालच दिया।

छात्रा भी ऑनलाइन टास्क लेने के लिए तैयार हो गई छात्रा सबसे पहले 200 रुपए लगाए तो उसे 300 रुपए मिले टैक्स के रूप में 3 लाख की मांग प्रॉफिट मिलते ही उसे लालच आ गया छोटे-छोटे इन्वेस्टमेंट के बाद वह ज्यादा राशि लगाने लगी जब 3 लाख रुपए लगा दिए और प्रॉफिट हुए रुपए निकालने का प्रयास किया तो सामने वालों ने टैक्स के तीन लाख रुपए और जमा कराने के लिए कहा इस पर छात्रा को संदेह हुआ तो उसने रुपए वापस मांगे जिस पर उन्होंने मना कर दिया और मोबाइल बंद कर दिया छोटे मुनाफा से आया लालच, गंवाई बड़ी रकम ठगों ने छात्रा को एक वाटसएप ग्रुप में एड किया इसके कुछ दिन बाद उसे वहां से लेफ्ट कराकर दूसरे ग्रुप में एड किया यहां उसे गाइड कर उसका रुपया टास्क के नाम पर लगवाया गया अपनी पूरी बचत लगाने के बाद छात्रा को मोटा मुनाफा हो गया एसएसपी से की शिकायत ठगी की शिकार छात्रा पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मामले की शिकायत की शिकायत पर पुलिस कप्तान ने इंदरगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है पुलिस अब आरोपी की पड़ताल में जुट गई है।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर नक्सलियों से मुठभेड़: 3 नक्सली ढेर, एक जवान शहीद

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित अबूझमाड़ के घने जंगलों में 6 फरवरी की सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच एक बड़ी मुठभेड़ हुई इस ऑपरेशन में महाराष्ट्र पुलिस के विशेष ष्ट-60 कमांडो दस्ते ने तीन नक्सलियों को ढेर कर दिया वहीं, नक्सलियों की ओर से की गई गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया जबकि एक अन्य जवान घायल हो गया इस मुठभेड़ ने एक बार फिर सुरक्षा बलों की नक्सलियों के खिलाफ जारी संघर्ष की गंभीरता को उजागर किया है मुठभेड़ के दौरान, जब ष्ट-60 कमांडो की टीम नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन में जुटी थी तभी घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने पुलिसकर्मियों पर ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी फायरिंग के जवाब में सुरक्षा बलों ने भी जोरदार कार्रवाई की और तीन नक्सलियों को मार गिराया हालांकि इस दौरान नक्सलियों की गोली कांस्टेबल दीपक चिन्ना मदावी (38) को लग गई दीपक को तुरंत एयरलिफ्ट करके भामरागढ़ के अस्पताल लाया गया जहां ऑपरेशन के बावजूद उनकी मौत हो गई शहीद जवान का सम्मान दीपक मदावी जो महाराष्ट्र पुलिस के ष्ट-60 कमांडो दस्ते के सदस्य थे, नक्सल विरोधी अभियान में अपनी जान की आहुति दे चुके हैं उनके बलिदान पर पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई है शहीद जवान को गढ़चिरौली पुलिस प्रशासन और उनके साथियों ने गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया इसके बाद उनका शव गृहग्राम रवाना कर दिया गया दीपक मदावी का परिवार इस अपूरणीय क्षति से गहरे सदमे में है, लेकिन उनका बलिदान हमेशा याद किया जाएगा घायल जवान का इलाज जारी मुठभेड़ में एक और जवान घायल हुआ है जिसका इलाज भामरागढ़ के अस्पताल में चल रहा है सुरक्षा बलों का कहना है कि नक्सलियों के खिलाफ यह लड़ाई जारी रहेगी और वे किसी भी हाल में क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों को बढ़ने नहीं देंगे नक्सल विरोधी अभियान जारी महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ दोनों ही राज्य नक्सलवाद के खिलाफ लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं।

पुल निर्माण के चलते रूट डायवर्ट, कोलारस-रन्नौद मार्ग पर भारी वाहन प्रतिबंधित

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के कोलारस थाना क्षेत्र में भड़ौता-रन्नौद मार्ग पर सिंध नदी पर बन रहे पुल के चलते आवागमन पर रोक लगा दी गई है निर्माण कार्य के दौरान इस मार्ग से भारी वाहनों का चलना पूरी तरह बंद रहेगा यह व्यवस्था पुल निर्माण पूरा होने तक, अनुमानित अप्रैल माह तक लागू रहेगी 24 करोड़ से बन रहा 570 मीटर लंबा पुल सिंध नदी पर 24 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 570 मीटर लंबा पुल बनाया जा रहा है यह मार्ग भड़ौता गांव के पास से होकर गुजरता है और कोलारस व रन्नौद तहसील के कई गांवों को जोड़ता है यहां रोजाना भारी यातायात रहता है इसी कारण सुरक्षा को देखते हुए मार्ग पर प्रतिबंध लगाया गया है 80 प्रतिशत काम पूरा वैकल्पिक मार्ग तय निर्माण एजेंसी ओपीएस कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर विकास त्यागी के अनुसार पुल का करीब 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है अंतिम चरण के काम और सड़क से जोड़ने के दौरान सुरक्षा कारणों से भारी वाहनों की आवाजाही रोकी गई है।

सीहोर में अगले कुछ दिनों लुढ़केगा परा, मौसम विभाग ने घने कोहरे की संभावना जताई

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में फरवरी के पहले सप्ताह में मौसम के दो अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। जहां सीहोर नगर में कोहरा नहीं छाया, वहीं ग्रामीण क्षेत्र घने कोहरा छाया रहा। जिले का न्यूनतम तापमान आज 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बीते 24 घंटों में एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्शाता है। कल यह 11 डिग्री सेल्सियस था। जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में आज कोहरा नहीं छाया। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान में और गिरावट तथा घना कोहरा छाने का अनुमान जताया है। फरवरी माह के पहले सप्ताह में एक बार फिर ठंडी हवाओं का असर देखा जा रहा है। शुक्रवार को भी न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस पर था। सुबह सीहोर जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में हल्का कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता प्रभावित हुई।

ठंडी हवा चलने से बढ़ी ठिठुरन : गौरतलब है कि दिसंबर माह में न्यूनतम तापमान लगातार 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ था, जबकि जनवरी में इसमें उतार-चढ़ाव देखा गया। फरवरी की शुरुआत के साथ ही सीहोर जिला एक बार फिर ठंडी हवाओं की चपेट में आ गया है। शासकीय कृषि कॉलेज स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि आगामी दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आ सकती है, और घना कोहरा छाने का सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि हवा की दिशा में बदलाव के कारण मौसम में बार-बार परिवर्तन हो रहा है, और आसमान में हल्के बादल भी छाए रहेंगे।

बीते पांच दिन ऐसा रहा तापमान : पिछले कुछ दिनों का न्यूनतम तापमान इस प्रकार रहा: 30 जनवरी को 8 डिग्री सेल्सियस, 31 जनवरी को 10 डिग्री सेल्सियस, 1 फरवरी को 15 डिग्री सेल्सियस, 2 फरवरी को 14 डिग्री सेल्सियस, 3 फरवरी को 11 डिग्री सेल्सियस, 4 फरवरी को 11 डिग्री सेल्सियस, 5 फरवरी को 12 डिग्री सेल्सियस और 6 फरवरी को 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

खरगोन में बादल छंटने से ठंड का असर तेज, आने वाले दिनों में बारिश की संभावना कम

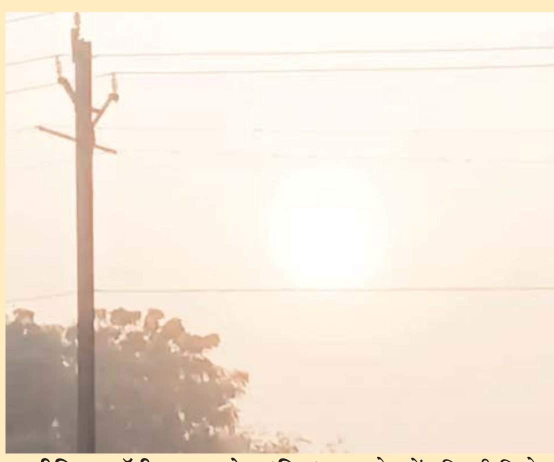

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ने के बाद शुक्रवार सुबह बादल छटने के बाद ठंड का असर तेज हो गया। चार दिनों बाद न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया, जिससे लोगों को फिर से ठंड का एहसास हुआ। शुक्रवार सुबह खरगोन का न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले लगातार चार दिनों तक तापमान 12 डिग्री से ऊपर बना हुआ था। वहीं अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा। सुबह के समय शहर में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे का असर करीब सुबह 8:30 बजे तक बना रहा, जिससे सड़कों पर दृश्यता कम हो गई और आम जनजीवन पर हल्का असर पड़ा।

बारिश की संभावना कम, हल्की बूंदाबांदी संभव : मौसम विभाग ने पहले मावठे की संभावना जताई थी, लेकिन पश्चिमी विक्षोभ कमजोर होने से खरगोन सहित पश्चिमी क्षेत्रों में बारिश की संभावना कम हो गई है। हालांकि, बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी के कारण कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी हो सकती है।

पिछले पांच दिनों का तापमान : पिछले पांच दिनों से खरगोन में अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। गुरुवार को अधिकतम 30.4 और न्यूनतम 12.4 डिग्री, बुधवार को 30.0 और 11.8 डिग्री, मंगलवार को 30.2 और 11.6 डिग्री, सोमवार को 30.4 और 12.0 डिग्री तथा रविवार को 30.8 और 12.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

पन्ना में सड़क हादसा, युवक की मौके पर मौत; शादी में जा रहे थे बाइक सवार

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के अजयगढ़ क्षेत्र में एक विवाह समारोह में शामिल होने जा रहे बाइक सवारों के सामने अचानक जंगली जानवर आ गया, जिससे हुए हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई। हादसा छटवामील के पास हुआ। हादसे के बाद मृतक के गांव में शोक की लहर है।

जानवर के सामने आने से बिगड़ा संतुलन : जानकारी के अनुसार, 50 वर्षीय पंचम आदिवासी अपने ममेरे भाई फूल सिंह के साथ किछटवा गांव में एक शादी समारोह में जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक छटवामील के पास पहुंची, अंधेरे या झाड़ियों के बीच से अचानक एक अज्ञात जानवर सड़क पर आ गया। बाइक की रफ्तार तेज होने और अचानक सामने आए जानवर की वजह से चालक संतुलन खो बैठा। इस दौरान पीछे बैठे पंचम सड़क पर जोर से गिरे, जिससे उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गहरी चोटें आईं।

अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम : हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों की मदद से घायल पंचम को अजयगढ़ अस्पताल ले जाया गया। वहां से डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार देकर जिला अस्पताल पन्ना के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की।

नर्मदापुरम में फिर लौटी ठंड: 24 घंटे में 1.5डिग्री पारे में गिरावट, सुबह से चल रही ठंडी हवा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में लगातार मौसम में बदलाव का दौर जारी है। शुक्रवार को तापमान में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई, जिससे ठंड का असर बढ़ गया। बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री गिरकर 14.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम में यह बदलाव वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम के कमजोर पड़ने के कारण हुआ है।

सुबह से साफ रहा मौसम : शुक्रवार सुबह से ही जिले में मौसम साफ बना हुआ है। आसमान में धूप खिली रही, लेकिन उत्तरी हवाओं के कारण ठिठुरन महसूस की गई। दिन में धूप के बावजूद सुबह और देर रात हल्की सर्दी का असर बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम का असर कम होने से उत्तरी हवाएं सक्रिय हो गई हैं। इन्हीं हवाओं के कारण तापमान में गिरावट आई है और सर्दी का असर बढ़ा है। गुरुवार की तुलना में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान में करीब 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। इससे पहले तापमान 16 डिग्री के आसपास बना हुआ था, जो अब 14.9 डिग्री तक पहुंच गया है।

पचमढ़ी में छाया कोहरा : हिल स्टेशन पचमढ़ी में शुक्रवार सुबह से घना कोहरा छाया रहा। यहां 24 घंटे में 1.2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। पचमढ़ी का न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पचमढ़ी सहित आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में ठंड का असर मैदानी इलाकों की तुलना में अधिक महसूस किया गया। सुबह के समय कोहरे और ठंडी हवाओं के कारण लोग गर्म कपड़ों में नजर आए।

आने वाले दिनों का मौसम : मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों तक हल्की ठंड का असर बना रह सकता है। हालांकि कड़ाके की ठंड से राहत मिलने की संभावना है। फरवरी के दूसरे पखवाड़े में धीरे-धीरे गर्मी की दस्तक भी हो सकती है।

दिन और रात के तापमान में अंतर: मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस समय दिन और रात के तापमान में अंतर बढ़ रहा है। दिन में धूप निकलने से हल्की गर्मी महसूस हो रही है, जबकि रात और सुबह के समय ठंड बनी हुई है। फरवरी के पहले छह दिनों में तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखा गया है। कभी तापमान बढ़ा तो कभी अचानक गिरावट दर्ज की गई, जिससे मौसम का मिजाज बदलता रहा।

फरवरी महीने के पहले छह दिनों में न्यूनतम तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 1 फरवरी को नर्मदापुरम में न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री और पचमढ़ी में 10.2 डिग्री दर्ज किया गया। 2 फरवरी को नर्मदापुरम का तापमान 17.4 डिग्री रहा, जबकि पचमढ़ी में यह गिरकर 8.4 डिग्री तक पहुंच गया।

3 फरवरी को नर्मदापुरम में न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री और पचमढ़ी में 11.2 डिग्री दर्ज हुआ। इसके बाद 4 फरवरी को नर्मदापुरम का तापमान और गिरकर 16.2 डिग्री हो गया, जबकि पचमढ़ी में यह 10.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

5 फरवरी को नर्मदापुरम में न्यूनतम तापमान हल्का बढ़कर 16.4 डिग्री रहा, वहीं पचमढ़ी में 9.8 डिग्री दर्ज हुआ। 6 फरवरी को एक बार फिर तापमान में गिरावट आई और नर्मदापुरम में न्यूनतम तापमान 14.9 डिग्री तथा पचमढ़ी में 8.6 डिग्री दर्ज किया गया, जिससे ठंड का असर बढ़ गया।

देवास में दोस्त ने की दोस्त की हत्या

मीडिया ऑडीटर, देवास (निप्र)। देवास की कमलापुर पुलिस ने शुक्रवार को एक अंधे कत्ल का खुलासा कर दिया। बताया गया कि मृतक के दोस्त को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने अपने मित्र को आलू का खेत दिखाने के बहाने जंगल ले जाकर धारदार हथियार से हत्या कर दी थी। यह मामला 1 फरवरी 2026 को सामने आया था, जब ग्राम भमोरी के समीप जंगल में 35 वर्षीय सतीश पाटीदार का शव मिला था। प्रारंभिक जांच में यह अज्ञात हत्या का मामला लग रहा था, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की सूचना के आधार पर संदेही जितेन्द्र पाटीदार को हिरासत में लिया।

लोहे के पाइप से किया था वार: पूछताछ के दौरान आरोपी जितेन्द्र पाटीदार ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि आपसी विवाद के चलते उसने

अपने मित्र सतीश को आलू का खेत दिखाने के बहाने जंगल बुलाया। वहां उसने नुकीले लोहे के पाइप से सतीश के सिर पर वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी खुद को बचाने के लिए घटनास्थल पर ही मौजूद रहा, ताकि किसी को उस पर शक न हो। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त पाइप और उसकी बाइक जब्त कर ली है।

कोठरा अंडरब्रिज पर दो साल से जलभराव

शिकायतों के बाद भी समाधान नहीं, स्कूली बच्चों-ग्रामीणों को परेशानी

मीडिया ऑडीटर, सिवनी मालवा (निप्र)। सिवनी मालवा तहसील के ग्राम कोठरा स्थित अंडरब्रिज पर पिछले दो साल से लगातार जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। खेतों से आने वाले पानी के जमा होने के कारण स्कूली बच्चों और ग्रामीणों को पानी में से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे उनकी रोजमर्रा की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ग्रामीण प्रदीप दोगने ने बताया कि यह समस्या अंडरब्रिज के निर्माण के समय से ही चली आ रही है। लगभग दो वर्ष बीत जाने के बाद भी इसका स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। पहले यह स्थिति केवल बारिश के मौसम में बनती थी, लेकिन अब सामान्य दिनों में भी पुल के नीचे पानी भरा रहता है।

समुचित निकासी व्यवस्था और नियमित सफाई के अभाव में अंडरब्रिज तालाब का रूप ले लेता है।

जलभराव के कारण आम नागरिकों के साथ-साथ स्कूली बच्चों को भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार बच्चे स्कूल नहीं जा पाते, जिससे उनकी पढ़ाई बाधित होती है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर प्रशासन से कई बार शिकायतें की गई हैं, लेकिन हर साल केवल अस्थायी इंतजाम कर समस्या को टाल दिया जाता है। स्थायी समाधान न होने से मूल समस्या बनी हुई है।

पंप भी लगाया था : पुल की देखरेख कर रहे कर्मचारी अवध कुमार ने बताया कि आसपास के खेतों का पानी बहकर अंडरब्रिज में आ रहा है। पानी निकासी के लिए एक पंप लगाया गया है, लेकिन पानी का बहाव अधिक होने के कारण पंप पूरी तरह से पानी बाहर नहीं निकाल पा रहा है, जिससे जलभराव की स्थिति बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अंडरब्रिज पर स्थायी जल निकासी व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही नालियों की नियमित सफाई और तकनीकी सुधार कर हर साल होने वाली इस समस्या से स्थायी राहत दिलाई जाए, ताकि बच्चों, बुजुर्गों और अन्य नागरिकों को सुरक्षित आवागमन मिल सके।

सागर में कपड़ा व्यापारी ने खाया जहर, मौत

परिजन ने चक्काजाम किया, पैसों के लेनदेन में प्रताड़ित करने का लगाया रोप

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक कपड़ा व्यापारी ने जहर खा लिया। इलाज के दौरान अस्पताल में उनकी मौत हो गई। मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया। जिसके बाद परिजनों ने माता मढ़िया तिराहे के पास सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। उन्होंने पैसों के लेनदेन में कुछ लोगों पर व्यापारी को परेशान करने का आरोप लगाया है। परिजनों ने मामले में जांच कर उक्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। चक्काजाम की सूचना पर कोतवाली और मोतीनगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को समझाइश देकर मामला शांत कराया। मामले में सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद परिजन माने और चक्काजाम खत्म किया। शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए चले गए।

कर्ज को लेकर परेशान था व्यापारी: बाहुबली कॉलोनी निवासी विकास जैन उर्फ मोगली ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिवार वालों ने भाग्योदय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान गुरुवार रात विकास की मौत हो गई। परिचितों ने बताया कि मृतक विकास कर्ज को लेकर परेशान रहता था। उसने शहर के कुछ लोगों से कर्ज ले रखा था।

शादी में दूल्हे के दोस्त ने की फायरिंग, 4 घायल

दो युवकों की हालत गंभीर, आरोपी विदिशा से पकड़ाया; भोपाल से आई थी बारात

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में एक शादी समारोह के दौरान हुई हर्ष फायरिंग में भोपाल के चार युवक घायल हो गए। घटना गुरुवार रात करीब 10:30 बजे सागर रोड स्थित एक गार्डन के बाहर की है। जानकारी के अनुसार, रायसेन निवासी हेमलता कन्हैयालाल पीपरोलिया की बेटी पल्लवी की शादी भोपाल के मोहित के साथ की जा रही थी। जैसे ही बारात गार्डन के मुख्य गेट पर पहुंची, वहां मौजूद एक व्यक्ति ने खुशी में बंदूक से फायर करने की कोशिश की। बंदूक नीचे की ओर थी, तभी अचानक ट्रिगर दब गया और गोली चल गई।

पुलिस के मुताबिक बंदूक चलाने वाला व्यक्ति दूल्हे का दोस्त है। घटना के बाद वह मौके से फरार हो गया, जिसे पुलिस ने देर रात विदिशा से पकड़ लिया गया। जांच में सामने आया है कि हर्ष फायर के दौरान साउंड वाले कारतूस की जगह असली गोली का इस्तेमाल किया जा रहा था। 12 बोर बंदूक में दो गोलियां डाली गई थीं, जिनमें से एक ऊपर की ओर चली गई, जबकि दूसरी गोली चलने से पहले ही बंदूक की नाल नीचे हो गई और ट्रिगर दब गया। फायरिंग के दौरान निकले छर्रे पास में फोटोशूट कर रहे और नाच रहे चार युवकों को जा लगे। घायलों की पहचान अतुल धाकड़, पवन चौरसिया, सौरभ भारतोले (फोटोग्राफर) और अनिमेष कुशवाह के रूप में हुई है। सभी घायल भोपाल के निवासी बताए जा रहे हैं।

छतरपुर कलेक्टर ने सांदीपनि स्कूल में ली बोर्ड परीक्षा क्लास, ब्लैकबोर्ड पर गणित के सवाल हल करवाए

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने शुक्रवार को सांदीपनि विद्यालय का दौरा किया। उन्होंने यहां विद्यार्थियों की क्लास ली और आगामी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम को छात्रों के साथ सुना और उनसे सीधा संवाद किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर जैसवाल ने कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों से गणित सहित अन्य विषयों के प्रश्न हल करवाए। उन्होंने स्वयं ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखे, जिन्हें छात्रों ने आत्मविश्वास के साथ हल किया। बच्चों की तैयारी से संतुष्ट होकर कलेक्टर ने उनकी सराहना की और कहा कि उनकी मेहनत परीक्षा परिणामों में अवश्य दिखेगी।

तनाव न लेने की सलाह दी: विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने उन्हें परीक्षा को लेकर अनावश्यक तनाव न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि छात्र आत्मविश्वास के साथ प्रश्नपत्र हल करें और खुद पर भरोसा रखें। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि परीक्षा से एक दिन पहले पढ़ाई का अधिक दबाव न बनाएं, बल्कि मन को शांत रखें और सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा में शामिल हों। साथ ही, माता-पिता और गुरुजनों का आशीर्वाद लेकर परीक्षा केंद्र जाएं।

छात्रों की दिनचर्या के बारे में जाना : कलेक्टर जैसवाल ने विद्यार्थियों को परीक्षा से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां भी बताई। उन्होंने कहा कि प्रवेश पत्र, पेन-पेंसिल और पानी की बोतल जैसी आवश्यक सामग्री एक दिन पहले ही तैयार कर लें, ताकि परीक्षा के दिन किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने छात्रों की दिनचर्या, पढ़ाई के समय और तैयारी के तरीकों के बारे में भी जानकारी ली। इस अवसर पर कलेक्टर ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे विद्यार्थियों का मनोबल लगातार बढ़ाएं और समय रहते उनके संदेहों को दूर करें। कलेक्टर ने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यार्थियों की तैयारी संतोषजनक है और निश्चित रूप से इसका लाभ अच्छे परीक्षा परिणामों के रूप में मिलेगा।

रतलाम पुलिस पर फायर करने वाला कालू कंजर अरेस्ट

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के आलोट में पेट्रोल पंप लूट की योजना बनाते समय ग्रामीणजनों व पुलिस टीम पर फायर करने वाले आरोपी कालू कंजर को पुलिस ने पकड़ा है। इसके एक अन्य साथी को भी अरेस्ट किया है। आरोपी के पास लोहे का देशी कट्?टा बरामद किया है। आलोट थाना प्रभारी मुनेंद्र गौतम ने बताया मुखबिर की सूचना पर कालू उर्फ शंभू (32) पिता हडमत कंजर निवासी अरनिया थाना उन्हेल नागेश्वर जिला झालावाड (राजस्थान) को पकड़ा है। आरोपी ने दो साल पूर्व भोजाखेडी मगरे पर लूट डकेती की योजना बनाते समय ग्रामीणजनों के आने पर फायर किया था। इसके अलावा 26 अक्टूबर 25 को ताजली रोड स्थित खेत पर चोरी की योजना बनाते समय पुलिस टीम के पहुंचने के दौरान भी फायर किया था। तब से यह फरार चल रहा था।

टी-20 वर्ल्डकप, पाकिस्तान से मैच पर सूर्या बोले हम तैयार, खेलने से उन्होंने मना किया, हम कोलंबो जाएंगे, पाक ने मुकाबले का बॉयकॉट किया

मुंबई, एजेंसी। टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर चल रहीं चर्चाओं के बीच भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया का रुख स्पष्ट कर दिया। गुरुवार को मुंबई में कैप्टन्स डे के दौरान सूर्या ने कहा कि भारत मैच खेलेगा। सामने वाली टीम नहीं खेलना चाहती तो यह उनकी मर्जी है। हमारा माइंडसेट बिल्कुल साफ है। हमने खेलने के लिए मना नहीं किया है, उधर से मना किया गया है। आईसीसी ने मैच का शेड्यूल तय किया है और हम खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमारे टिकट बुक हैं और दिल्ली के बाद हम कोलंबो जा रहे हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू हो रहा है। 15 फरवरी को टीम इंडिया कोलंबो में पाकिस्तान से भिड़ने वाली है, लेकिन पाकिस्तान सरकार ने इस मैच के बॉयकॉट का ऐलान कर दिया है। पाकिस्तान ने 1 फरवरी को मैच का बॉयकॉट किया

1 फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर एक पोस्ट के जरिए भारत के खिलाफ मैच के बॉयकॉट करने का ऐलान किया था। पाकिस्तान ने यह फैसला बांग्लादेश के सपोर्ट में लिया था, क्योंकि आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था।

बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की बजाय अपने मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी। यह पूरा विवाद मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से हटाए जाने के बाद शुरू हुआ। बीसीसीआई ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के विरोध में मुस्तफिजुर रहमान को भारतीय लीग से बाहर करने का फैसला किया था।

दो शहरों में कैप्टन्स डे : टी-20 वर्ल्ड कप का कैप्टन्स डे आज दो अलग-अलग शहरों में आयोजित किया गया। मुंबई में भारत, अफगानिस्तान, कनाडा, इंग्लैंड, इटली, नामीबिया, नेपाल, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज के कप्तानों ने हिस्सा लिया। वहीं, कोलंबो में आयोजित कैप्टन्स डे में श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, नीदरलैंड, ओमान, पाकिस्तान, यूएई और जिम्बाब्वे के कप्तान शामिल हुए।

सूर्या बोले- ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी सहज: मुंबई में बातचीत के दौरान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया के कोच ड्रेसिंग रूम में गौतम गंभीर के असर को लेकर बात की। उन्होंने कहा, गंभीर ने टीम के भीतर जो माहौल बनाया है, वह काफी सकारात्मक है। ड्रेसिंग रूम का माहौल भी काफी सहज रहता है।

भारत के 5, श्रीलंका के 3 वेन्यू पर टूर्नामेंट: भारत में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। वहीं, श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी में मुकाबले होंगे। कोलंबो में आर प्रेमदासा और सिंहला स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे।

पाकिस्तानी पीएम बोले- बांग्लादेश के साथ खड़े रहना सही फैसला

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच के बहिष्कार को सही और सोचा-समझा फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस मुद्दे पर बांग्लादेश के साथ मजबूती से खड़ा है। एक फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने ङ्ग पोस्ट में भारत से मैच का बॉयकॉट करने का ऐलान किया था। उसके बाद आईसीसी ने पीसीबी से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। उसके बाद से पीसीबी का तो कोई बयान नहीं आया, लेकिन वहां के प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया कि पाकिस्तानी सरकार फैसला नहीं बदलने वाली है। सरकार की बैठक के बाद शरीफ ने कहा- हमने टी20 वर्ल्ड कप पर बिल्कुल साफ रुख अपनाया है कि हम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे, क्योंकि खेल के मैदान पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। शरीफ ने कहा- 'हमने बहुत सोच-समझकर यह फैसला लिया है और हमें पूरी तरह बांग्लादेश के साथ खड़ा रहना चाहिए। पाकिस्तानी सरकार ने यह फैसला बांग्लादेश के सपोर्ट में लिया। क्योंकि, आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटा दिया था।

इंडिया-यूएसए टी-20 वर्ल्ड कप भारत की नजरें जीत के साथ आगाज पर, ये हो सकती है प्लेइंग 11

मुंबई, एजेंसी। सितारों से सजी भारतीय टीम टी20 विश्व कप में शनिवार को आत्मविश्वास से ओतप्रोत अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी तो खिताब बरकरार रखने वाली पहली टीम बनने का इरादा जेहन में और क्रिकेटप्रेमियों की अपेक्षाओं का बोझ कंधों पर रहेगा। टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के दो मजबूत स्तंभ विराट कोहली और रोहित शर्मा भले ही इस प्रारूप से विदा ले चुके हों लेकिन भारतीय टीम अभी भी सबसे दमदार दावेदार है। भारत ने उसके बाद से 9 श्रृंखलाएं जीती हैं जिनमें पिछले साल एशिया कप में मिली जीत शामिल है। पिछले पूरे साल खराब फॉर्म से जूझते रहे कप्तान सूर्यकुमार यादव का बल्ला भी अब खामोश नहीं है जिससे रही सही कसर भी पूरी हो गई। ईशान किशन ने विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर जबर्दस्त फॉर्म के साथ वापसी की है। ईशान और अभिषेक शर्मा की जोड़ी से भारतीय टीम को काफी उम्मीदें हैं चूंकि दोनों का प्रदर्शन अभी तक जबर्दस्त रहा है। भारत की तुलना 2007 वनडे विश्व कप की ऑस्ट्रेलियाई टीम से की जा रही है हालांकि दोनों प्रारूप अलग है लेकिन सूर्यकुमार की टीम हर विभाग में परिपक्व और संतुलित दिख रही है।

सूर्यकुमार का फॉर्म में लौटना, मध्यक्रम में तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या जैसा हरफनमौला, शिवम दुबे और अक्षर पटेल जैसे धुरंधरों की मौजूदगी बल्लेबाजी को मजबूत बनाती है। रिंकू सिंह जैसा फिनिशर भी भारत के पास है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का कार्यभार प्रबंधन विश्व कप को देखते हुए बड़ी समझदारी के साथ किया गया है। उनके साथ अर्शदीप सिंह नयी गेंद संभालेंगे और हर्षित राणा भी टीम में मौजूद हैं। कुलदीप यादव और वरूण चक्रवर्ती के रूप में भारत के पास इस प्रारूप में दुनिया के दो सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं लेकिन असल चुनौती ओस की होगी।

पहला टी20 विश्व कप 2007 में जीतने वाले पूर्व कप्तान एम एस धोनी ने इस ओर इशारा किया था। भारतीय चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन ने हालात के अनुरूप काफी सोच समझकर टीम चुनी है जिसमें शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे दिग्गज नहीं हैं। संजू सैमसन को भी अंतिम एकादश में शायद ही जगह मिले। सूर्यकुमार को अमेरिकी टीम में कई जाने माने चेहरे दिख जाएंगे। इसी मैदान पर कभी उन्होंने शुभम रंजने, हरमीत सिंह और सौरभ नेत्रवलकर के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था।

हरियाणा के दो खिलाड़ियों ने जीता गोल्ड और सिल्वर मेडल

क्रोएसिया में जाग्रेब ओपन रेसलिंग; 41 पहलवानों ने लिया भाग

झज्जर, एजेंसी। ओलिंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत ने जाग्रेब ओपन रेसलिंग 2026, यूडब्ल्यूडब्ल्यू (युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग) रैंकिंग सीरीज के पहले ही दिन सिल्वर मेडल जीता है। वहीं शुरुआती में ही हरियाणा के सुजीत कलकल ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। 4-8 फरवरी तक क्रोएशिया के जाग्रेब में सीरीज का आयोजन किया जा रहा है।

इस टूर्नामेंट में अमन सहरावत (61 किग्रा) और सुजीत कलकल (65 किग्रा) जैसे प्रमुख नामों के साथ 41 सदस्यीय भारतीय दल भाग ले रहा है। पहले दिन सुजीत कलकल ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि अमन सहरावत ने रजत पदक प्राप्त किया।

पेरिस ओलिंपिक में जीत चुके ब्रॉन्ज मेडल: अमन सहरावत ने पेरिस ओलिंपिक में देश के लिए ब्रोंज मेडल जीता था। वहीं हाल में नोएडा आयोजित हुई पीडब्ल्यूएल में भी अमन सहरावत ने मुंबई टाइगर्स की टीम से खेलने का मिला था। वहीं सुजीत कलकल अंडर 23 एशियन चैंपियनशिप में विजेता रह चुके हैं और उन्हें भी पीडब्ल्यूएल में दिल्ली की टीम से खेलने का मौका मिला था।

भारत की ओर से गया 41 पहलवालों का दल: क्रोएसिया में आयोजित हो रही रेसलिंग ओपेन रैंकिंग सीरीज में भारत की ओर से 16 पुरुष फ्रीस्टाइल, 15 महिला पहलवान, और 10 ग्रीको-रोमन पहलवान भाग ले रहे हैं। अमन सहरावत झज्जर जिले के गांव बिरोहड़ के रहने वाले हैं और सुजीत कलकल दादरी जिले के गांव इमलोटा के रहने वाले हैं।

अमन ने पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज दिलाया था: अमन सहरावत ने पेरिस ओलिंपिक में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। उन्होंने फ्री-स्टाइल 57किमी कैटेगरी में प्यूर्टो रिको के डरियन टोई क्रूज को 13-5 से हराया था। वे भारत के सबसे युवा ओलिंपिक मेडलिस्ट बने थे।

क्रिकेटर रिंकू सिंह का फेसबुक अकाउंट हैक

अलीगढ़, एजेंसी। क्रिकेटर रिंकू सिंह की फेसबुक आईडी हैक हो गई। साइबर ठगों ने रिंकू के फेसबुक की ईमेल आईडी बदलकर उससे होने वाली कमाई अपने खाते में ट्रांसफर कर ली। रिंकू के भाई सोनू की शिकायत के बाद मामले में साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज किया गया। सोनू ने शिकायत में कहा है कि ?रिंकू के फेसबुक पर 16 लाख फॉलोअर्स हैं। वे काफी समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच और टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों में व्यस्त थे। इस वजह से सोशल मीडिया अकाउंट पर ध्यान नहीं दे पा रहे थे। सोनू ने बताया कि रिंकू ने 4 फरवरी को मुंबई से अपना फेसबुक एकाउंट लॉग इन किया। काफी कोशिशों के बाद भी आईडी नहीं खुली। पासवर्ड गलत बताता रहा।

मंधाना की समझदारी वाली पारी से बेंगलुरु ने दूसरी बार विमेंस प्रीमियर लीग जीता

दिल्ली लगातार चौथा फाइनल हारी, मंधाना ने 87, जॉर्जिया ने 79 रन बनाए

मुंबई, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दूसरी बार विमेंस प्रीमियर लीग जीत लिया है। टीम ने गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 6 विकेट से हराया। बेंगलुरु 2024 में पहली बार चैंपियन बनी थी। जबकि दिल्ली लगातार चौथा फाइनल हारी है। वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में बेंगलुरु ने 2 गेंद रहते ही 204 रन का टारगेट चेज कर लिया। यह डब्ल्यूपीएल का सबसे बड़ा रन चेज है। कप्तान स्मृति मंधाना ने 87 रन की पारी खेली। जबकि जॉर्जिया वोल ने 79 रन बनाए। दोनों ने 92 बॉल पर 165 रन की साझेदारी की। आखिरी ओवर में 10 रन चाहिए थे। राधा यादव और नदीन डी क्लर्क ने शुरुआती दो गेंद पर 2 सिंगल लिए। राधा ने तीसरी गेंद पर चौका लगाया। चौथी गेंद उन्होंने कवर्स की दिशा में खेली, लेकिन उनका बैट स्टंप से टकरा गया। गेंद बाउंड्री के बाहर चली गई, लेकिन गिल्लियां नहीं गिरीं। इस तरह ऋष्क्रने दूसरा टाइटल जीत लिया।

दोनों टीमों की प्लेइंग-इलेवन

आरसीबी ~ स्मृति मंधाना (कप्तान), ग्रेस हैरिस, जॉर्जिया वोल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), राधा यादव, नदीन डी क्लर्क, पूजा वस्त्राकर, और लॉरेन बेल।

बेन स्टोक्स को चेहरे पर गेंद लगी

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स एक भयानक हादसे का शिकार हो गए हैं। मैदान पर ट्रेनिंग के दौरान एक तेज रफ्तार गेंद उनके चेहरे पर जा लगी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। स्टोक्स ने सोशल मीडिया पर अपनी एक डरावनी तस्वीर शेयर की, जिसमें उनका चेहरा पहचान पाना भी मुश्किल हो रहा है।

सोशल मीडिया पर शेयर की 'डरावनी' फोटो: स्टोक्स ने इंस्टाग्राम पर अपनी जो तस्वीर शेयर की है, उसमें उनकी दाई आंख पूरी तरह सूजी हुई और काली पड़ चुकी है। उनके गाल और होंठों पर खरोंच के गहरे निशान हैं और नाक से खून बहने के कारण पट्टी (बैंडेज) लगी हुई है। हालांकि, इतनी गंभीर चोट के बावजूद स्टोक्स का मजाकिया अंदाज बरकरार है। उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, 'आपको क्रिकेट की गेंद की हालत देखनी चाहिए (यानी गेंद की हालत मुझसे भी बुरी होगी)।'

एशेज की हार के बाद घर लौटे थे स्टोक्स : 34 वर्षीय बेन स्टोक्स हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खत्म हुई एशेज सीरीज में 4-1 की करारी हार झेलकर इंग्लैंड वापस लौटे थे। इस शर्मनाक हार के बाद से ही उनकी कप्तानी पर तलवार लटकी हुई है और इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड उनकी भूमिका की समीक्षा कर रहा है। ऐसे समय में इस चोट ने उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। स्टोक्स को जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज से पहले काउंटी क्रिकेट में डरहम के लिए खेलना था।

हेजलवुड चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। वे हमस्ट्रिंग इंजरी से अब तक पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसकी पुष्टि करते हुए स्पष्ट किया है कि हेजलवुड की जगह फिलहाल टीम में किसी भी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया जाएगा।

टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से होगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई सिलेक्टर टोनी डोडेमाइड ने कहा, हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर-8 स्टेज तक मैच फिट हो जाएंगे, लेकिन उनकी वापसी में अभी और समय लगेगा। उनकी रिकवरी प्रोसेस को तेज करना बहुत बड़ा जोखिम होगा।

ऑस्ट्रेलिया का स्क्वॉड: मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मार्कस स्टोयनिश, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन, मैथ्यू रैनशॉ, कूपर कॉनोली, टिम डेविड, जोश इंग्लिस, बेन ड्वारशुइस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मैथ्यू कुह्नेमन और एडम जम्पा।

11 फरवरी को पहला मैच खेलेगी टीम: ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में शामिल है, जहां उसके साथ श्रीलंका, जिम्बाब्वे, ओमान और आयरलैंड की टीमें हैं। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम का पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में है।

अपने ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया सबसे मजबूत टीम है, लेकिन उसे श्रीलंका और आयरलैंड से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया का श्रीलंका के साथ 16 फरवरी को मुकाबला होगा। टीम अपना आखिरी लीग मैच 20 फरवरी को ओमान के खिलाफ खेलेगी। उससे पहले उसे 13 फरवरी को जिम्बाब्वे से भी भिड़ना है।

अंडर 19 वर्ल्ड कप के फाइनल में वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड को धोया, 175 रन बनाए

बाबर आजम का रिकॉर्ड भी टूटकर चूर सूर्यवंशी का 55 बॉल पर शतक

हरारे, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी का नाम एक बार फिर से क्रिकेट जगत की सुर्खियों में छा गया है। इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में इस युवा बल्लेबाज ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से कोहराम मचा दिया। वैभव ने महज 55 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर न केवल भारतीय पारी को मजबूत शुरुआत दी, बल्कि अपनी प्रतिभा का एक बार फिर से लोहा भी मनवाया। उनकी इस पारी से इंग्लैंड की टीम मैच के शुरुआती पलों से पूरी तरह से बैकफुट पर चली गई है। 38 ओवर में 5 विकेट खोकर 320 रन बन गए थे।

फाइनल में वैभव सूर्यवंशी का तूफान, गेंदबाज दिख रहे थे पस्त : वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही जमकर चौके छक्के उड़ाए। इस खिलाड़ी ने मात्र 32 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। लेकिन इसके बाद भी वैभव थमे नहीं और उन्होंने लगातार इंग्लैंड के स्पिनर्स पर अटैक करते हुए अपना शतक भी पूरा कर लिया। 160 रन की पारी में कुल 13 छक्के और 14 चौके मार चुके थे। वैभव में 80 गेंदों पर 175 रन बनाए और कैच आउट हो गए थे। इससे पहले भी वैभव ने सेमीफाइनल मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ 68 रन की पारी खेली थी।

बाबर आजम का रिकॉर्ड भी तोड़ा: इस ऐतिहासिक पारी के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने एक बड़ा कीर्तिमान अपने नाम किया। उन्होंने यूथ वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रनों के मामले में पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया है। बाबर आजम (1272 रन) के नाम यूथ वनडे में जो रिकॉर्ड दर्ज था, वैभव ने उसे तोड़कर अब इस सूची में अपना स्थान और ऊपर कर लिया है।

वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज : अंडर-19 वर्ल्ड कप में छक्कों के मामले

में वैभव सूर्यवंशी ने नया कीर्तिमान रच दिया है। 2026 एडिशन में वैभव अब तक 20 छक्के जड़ चुके हैं और इसी के साथ वह टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड डेवाल्ड ब्रेविस के नाम था, जिन्होंने 2022 अंडर-19 वर्ल्ड कप में 18 छक्के लगाए थे।

सूर्यवंशी का 32 बॉल पर अर्धशतक: 11वें ओवर में भारतीय टीम ने 10 रन बनाए। ओवर की चौथी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने शानदार छक्का जड़ा। उन्होंने अगली ही गेंद पर सिंगल लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। यह वैभव का इस वर्ल्ड कप में चौथा अर्धशतक रहा, जो उन्होंने महज 32 गेंदों में पूरा किया।

वैभव भारत के टॉप स्कोरर : इस अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के लिए वैभव सूर्यवंशी ने सबसे ज्यादा 6 मैचों में 264 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 82 रन रहा है। इस दौरान उन्होंने 3 हाफ सेंचुरी लगाई। गेंदबाजी में हेनिल पटेल ने कमाल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने 6 मैचों में 11 विकेट झटके हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 5 विकेट देकर 16 रन रहा है।

म्हात्रे 53 रन बनाकर आउट : आयुष म्हात्रे 53 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें एलेक्स ग्रीन ने बेन मेयस के हाथों कैच कराया। इसके साथ उनके और सूर्यवंशी के बीच 142 रन की साझेदारी भी टूट गई थीा। भारतीय टीम रिकॉर्ड 10वीं बार फाइनल में पहुंची है। दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम तीसरी बार फाइनल खेलेगी, टीम ने 1998 में इकलौता टाइटल जीता था। इससे पहले 2022 के फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को ही हराकर पांचवीं बार ट्रॉफी जीती थी।

आयुष आउट, 142 रन की साझेदारी टूटी: आयुष म्हात्रे 53 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें एलेक्स ग्रीन की गेंद पर बेन मेयस ने कैच किया। इसके साथ ही आयुष और वैभव सूर्यवंशी के बीच दूसरे विकेट के लिए चली आ रही शानदार 142 रन की साझेदारी का भी अंत हो गया।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11 इस प्रकार थी

भारत~ आयुष म्हात्रे (कप्तान), आरोन जॉर्ज, वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), वेदांत त्रिवेदी, आरएस अंब्रिश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, हेनिल पटेल और दीपेश देवेन्द्रन। इंग्लैंड टीम~ थॉमस रेव (कप्तान), जेम्स मीटो, मैनी लुम्सडेन और एलेक्स ग्रीन।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुराग ठाकुर पर 9 साल पुराना बैन हटाया

बीसीसीआई में लोढ़ा कमेटी की सिफारिशें लागू नहीं करने पर लाइफटाइम बैन हुए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई के पूर्व प्रेसिडेंट अनुराग ठाकुर से लाइफ टाइम बैन हटा दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को अपने 9 साल पुराने फैसले को बदला है। उसमें ठाकुर को बोर्ड से दूर रहने को कहा गया था। अब वे भारतीय क्रिकेट के संचालन में बोर्ड के कामकाज में शामिल हो सकेंगे। कोर्ट ने कहा कि उन पर जिंदगी भर का प्रतिबंध लगाना न तो सही था और न ही इसका कोई इरादा था। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने कहा- यह आनुपातिकता के सिद्धांत को लागू करने का सही मामला है। बेंच ने यह भी साफ कर दिया कि अनुराग ठाकुर पहले ही बिना शर्त माफी मांग चुके हैं, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था। साल 2017 में लोढ़ा कमेटी की सिफारिशों को लागू न करने की वजह से अनुराग ठाकुर को पद से हटाया गया था। लोढ़ा कमेटी के नियमों में आयु सीमा और सरकारी पद जैसे कई कड़े प्रावधान शामिल थे।

2017 में लगा था अनुराग ठाकुर पर बैन: सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2 जनवरी, 2017 के फैसले के निर्देश 3 और 4 पहले ही वापस ले लिए गए थे। मौजूदा आवेदन केवल उन पर लगाए गए प्रतिबंध से संबंधित था। अनुराग ठाकुर के वकील ने कहा कि यह प्रतिबंध लगभग 9 साल से लागू था और इसे जारी रखने से गंभीर कठिनाई होगी।

कोर्ट की अवमानना के कारण लगा था बैन: 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने अनुराग ठाकुर को नोटिस जारी कर उनसे पूछा था कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों शुरू नहीं की जानी चाहिए। कोर्ट ने उनसे लोढ़ा कमेटी की सिफारिशों को लागू करने से बचने के लिए आईसीसी से एक लेटर के जरिए दखल मांगने के संबंध में उन पर लगाए गए झूठी गवाही के आरोपों पर जवाब देने को कहा था।

छत्तीसगढ़ की जैव विविधता में जुड़ा नया अध्याय

मरवाही रेंज में दिखा दुर्लभ वन्यजीव हनी बैजर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। हनी बैजर भारत में बहुत ही सीमित क्षेत्रों में पाया जाता है और इसे दुर्लभ प्रजातियों में गिना जाता है। यह अपनी असाधारण बहादुरी, आक्रामक स्वभाव और मजबूत त्वचा के लिए जाना जाता है। मधुमक्खियों के छत्तों से शहद निकालकर खाने की आदत के कारण इसे हनी बैजर कहा जाता है। मरवाही वनमंडल के मरवाही रेंज अंतर्गत उसाड़ गांव क्षेत्र में दुर्लभ वन्यजीव हनी बैजर (रैटल) का जोड़ा देखे जाने से क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों द्वारा मोबाइल से लिए गए फोटो और वीडियो के माध्यम से इस दुर्लभ जीव की उपस्थिति की पुष्टि हुई है।भारत के सीमित क्षेत्रों में पाए जाने वाले हनी बैजर का मरवाही क्षेत्र में दिखाई देना यहां की समृद्ध जैव विविधता और सुदृढ़ होते पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत है।

दुर्लभ वन्यजीवों को सुरक्षित प्राकृतिक आवास उपलब्ध: उल्लेखनीय है कि वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण कुमार पाण्डे के नेतृत्व में प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण हेतु संचालित योजनाओं और सतत प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के चलते दुर्लभ वन्यजीवों को सुरक्षित प्राकृतिक आवास उपलब्ध हो पा रहा है। राज्य शासन की प्राथमिकता वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण की है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं समृद्ध पर्यावरण मिल सके। दुर्लभ वन्यजीव हनी बैजर (रैटल) की उपस्थिति की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और सुरक्षात्मक कार्रवाई करते हुए हनी बैजर के जोड़े को सुरक्षित रूप से जंगल की ओर रवाना किया गया। इस दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि या पशुहानि नहीं हुई। विभाग द्वारा संबंधित क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ कर दी गई है। हनी बैजर अपनी असाधारण साहसिक प्रवृत्ति, मजबूत त्वचा और रात्रिचर स्वभाव के लिए जाना जाता है। इस अवसर पर मरवाही वनमंडलाधिकारी ग्रीष्मी चांद ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे वन्यजीवों के पास न जाएं और न ही उन्हें परेशान करें। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी वन्यजीव के दिखने पर तत्काल वन विभाग को सूचित करें।

राज्य के 27 जिलों में 206 शासकीय शालाओं के नवीन भवन निर्माण हेतु 24.23 करोड़ की स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट अंतर्गत शिक्षा अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रदेश के 27 जिलों में संचालित 206 शासकीय शालाओं के नवीन भवन निर्माण हेतु 24 करोड़ 23 लाख 56 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस निर्णय से भवन विहीन शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं स्थायी विद्यालय भवन की सुविधा प्राप्त होगी। स्वीकृति के अंतर्गत राज्य की 43 शासकीय प्राथमिक शालाओं में नवीन भवन निर्माण हेतु प्रति शाला भवन 11.48 लाख रुपये की दर से कुल 493.64 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इनमें मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिला की तीन प्राथमिक शाला, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिला की एक, बलौदाबाजार जिला की एक, बेमेतरा जिला की दो, कांकेर जिला की दो, कोण्डागांव जिला की दो तथा कोरिया जिला की एक प्राथमिक शाला के लिए नया भवन बनाए जाएंगे।

पर्यटन और एडवेंचर स्पोर्ट्स से युवाओं को मिल रहे रोजगार के अवसर : मुयमंत्री

मुख्यमंत्री ने 10 रूपए की टिकट कटाकर मयाली नेचर कैंप में लिया एडवेंचर स्पोर्ट्स का आनंद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अलग अंदाज़ में नजर आए और उन्होंने 10 रूपए का टिकट कटाकर जिले के लोकप्रिय पर्यटन स्थल मयाली नेचर कैंप में साहसिक खेल गतिविधियों का आनंद लिया और कई नए एडवेंचर स्पोर्ट्स की औपचारिक शुरुआत भी की। मुख्यमंत्री ने प्रवेश शुल्क अदा कर नेचर कैंप में प्रवेश करते हुए आम नागरिकों को नियमों के पालन और समानता का एक सशक्त संदेश दिया।

इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, विधायक श्रीमती गोमती साय, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान नेचर कैंप में विकसित अधोसंरचनाओं, सुरक्षा व्यवस्था, पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रकृति-आधारित पर्यटन एवं साहसिक गतिविधियां न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती हैं, बल्कि स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी सृजित करती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मयाली नेचर कैंप में संचालित स्पोर्ट्स मोटर बाइक (एटीवी) को स्वयं चलाकर साहसिक पर्यटन का आनंद लिया। इसके साथ ही उन्होंने बंदूक से सटीक निशाना साधते हुए बैलून शूटिंग का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने आर्चरी शूटिंग में तीर चलाकर निशाना साधा और इस खेल की भी शुरुआत की। साथ ही उन्होंने माउंटेन साइक्लिंग का शुभारंभ करते हुए स्वयं साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। नेचर कैंप में वॉल क्लाइंबिंग बोर्ड का उद्घाटन भी मुख्यमंत्री के द्वारा किया गया। इस दौरान वॉल क्लाइंबर तेज सिंह एवं तेजल भगत ने मुख्यमंत्री के समक्ष वॉल क्लाइंबिंग कर अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिसकी मुख्यमंत्री ने सराहना की।

पहचान भले ही अलग हो लेकिन सभी राज्यों की आत्मा एक भारत में हैं: राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आज राजभवन में 6 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्री डेका ने कहा कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की पहचान भले ही अलग-अलग हो लेकिन इन सब की आत्मा एक भारत में है।

केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में आंध्रप्रदेश, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, झारखंड और नागालैण्ड राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर श्री डेका ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान का आदान-प्रदान करना है जो आपसी समझ और सद्भाव को बढ़ावा देगा, जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होगी। इस परिप्रेक्ष्य में आज का कार्यक्रम एक गौरवपूर्ण क्षण है।

उन्होंने कहा कि हर राज्य का स्थापना दिवस, उस राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन होता है। राज्य की समृद्धि और विकास का गवाह यह दिन हमें अपने राज्य की स्थापना के मूल उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का रास्ता दिखाता है।

जो बस्तर कभी आकांक्षी जिला माना जाता था, आज वह पूरे देश में बस्तर ओलंपिक के नाम से जाना जा रहा है : प्रधानमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज संसद में अपने उद्बोधन के दौरान विशेष रूप से बस्तर का उल्लेख करते हुए कहा कि जो बस्तर कभी आकांक्षी जिला माना जाता था, आज वह पूरे देश में बस्तर ओलंपिक के नाम से जाना जा रहा है। विकास की धारा अब बस्तर के गांव-गांव तक पहुंच रही है। कई ऐसे गांव हैं जहां पहली बार बस सेवा शुरू हुई और पूरे गांव ने इसे उत्सव की तरह मनाया। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था, जब कुछ जिलों को पिछड़ा मानकर छोड़ दिया गया था। वहां रहने वाले करोड़ों लोगों की मौलिक आवश्यकताओं तक को नकार दिया गया था और उन्हें उसी अवस्था में जीने के लिए मजबूर कर दिया गया। इन क्षेत्रों में विकास के अभाव ने हालात को और बदतर बना दिया था। स्थिति यहां तक पहुंच गई थी कि ऐसे जिलों को पनिशमेंट पोस्टिंग के लिए उपयुक्त माना जाने लगा था, जिससे वहां की व्यवस्था और अधिक बिगड़ती चली गई। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस सोच और संस्कृति को बदला गया। यह निर्णय लिया गया कि पिछड़े क्षेत्रों में योग्य, युवा और होनहार अधिकारियों को तैनात किया जाएगा और उन्हें पूरे तीन वर्ष का समय दिया जाएगा, ताकि वे स्वतंत्र रूप से काम कर सकें। एक के बाद एक ठोस निर्णय लिए गए और आज उनके परिणाम देश देख रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज संसद में प्रधानमंत्री के बस्तर में हुए विकास पर दिए गए वक्तव्य पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है। यह क्षेत्र प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है, जिसे धरती का स्वर्ग कहा जा सकता है। यहां अनेक सुंदर जलप्रपात हैं, कुटुमसर जैसी विश्वविख्यात गुफा है, विशाल अबूझमाड़ का जंगल है और धुड़मारास गांव को विश्व पर्यटन संस्था द्वारा चयनित 20 सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्रामों में स्थान मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग चार दशकों तक नक्सलवाद के कारण विकास इस पूरे क्षेत्र को छू नहीं पाया, जबकि बस्तर का क्षेत्रफल केरल राज्य से भी बड़ा है। अब स्थिति तेजी से बदल रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प, स्पष्ट नीति और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस के कारण बस्तर में नक्सलवाद समाप्ति की ओर है और विकास ने नई गति पकड़ी है। उन्होंने कहा कि इसी विश्वास और उत्साह का परिणाम है कि बस्तर ओलंपिक का आयोजन पिछले वर्ष से किया जा रहा है। पिछले वर्ष इसमें 1 करोड़ 65 लाख युवाओं की भागीदारी रही, जबकि इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 3 करोड़ 91 लाख तक पहुंच गई है। इसी तरह बस्तर पंडुम का आयोजन भी पिछले वर्ष किया गया और इस वर्ष भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम का शुभारंभ 7 तारीख को महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के करकमलों से होगा, जबकि समापन 9 तारीख को केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में होगा।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुआ मनोज साहू का घर

प्राकृतिक ऊर्जा से मिली आत्मनिर्भरता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से नागरिकों को स्वच्छ, सस्ती एवं सतत ऊर्जा का लाभ मिल रहा है। योजना के अंतर्गत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को अधिकतम 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है, जिससे सोलर रूफटॉप प्रणाली आम नागरिकों के लिए अधिक किफायती और सुलभ बन गई है।

सोलर रूफटॉप से आत्मनिर्भर बना परिवार: राजनांदगांव जिला के ग्राम खैरा निवासी श्री मनोज साहू ने अपने घर की छत पर 3 किलोवॉट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया है। सोलर पैनल लगने के बाद उनका घर अब प्राकृतिक ऊर्जा से प्रकाशित हो रहा है और पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम हुई है।

बिजली बिल में कमी से हो रही आर्थिक बचत: श्री मनोज साहू ने बताया कि सोलर पैनल स्थापना के बाद उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे प्रतिमाह आर्थिक बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि आम परिवारों के लिए आर्थिक रूप से भी लाभदायक सिद्ध हो रही है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक पहल: श्री साहू ने कहा कि भविष्य में प्राकृतिक संसाधनों और खनिजों की सीमित उपलब्धता को देखते हुए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अत्यंत उपयोगी और दूरदर्शी योजना है। यह योजना स्वच्छ एव हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है।

योजना से बढ़ रहा स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग: प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से जिले में अधिक से अधिक नागरिक सोलर ऊर्जा को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।

शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय के फेस-2 का कार्य शीघ्र होगा प्रारंभ: सोनमणि बोरा

कनवेंशन सेटर की रूपरेखा पर भी की गई चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का राज्योत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से लोकार्पण एवं छत्तीसगढ़ आदिवासी संग्रहालय का मई 2025 में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा लोकार्पण पश्चात, इनकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता के बाद अब शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय फेस-2 का कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने इस संबंध में आज आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवा रायपुर स्थित सभाकक्ष में आर्किटेक्ट, इंजीनियर्स, आर्टिस्ट एवं विभागीय अधिकारियों के साथ आवश्यक बैठक कर कार्ययोजना के संबंध में जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि फेस-2 के अंतर्गत एक कैफेटेरिया, गढ़ कलेवा एवं अन्य दुकानें खोली जानी हैं इस संबंध में अंतिम रूपरेखा पर चर्चा की जा रही है। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया अनुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी। फेस-2 के अंतर्गत ही आकर्षक बागवानी, परिसर के भीतर स्थित नंद सागर का सौंदर्यीकरण, फॉउंटेन एवं पार्किंग की बेहतर व्यवस्था की जाएगी।

बैठक में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में स्थित 100 सीटर छात्रावास के पास निर्माणाधीन कनवेशंन सेटर की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। इसके डिजाइन एवं लेआउट पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक संशोधन करने के निर्देश दिए। इसपर आगामी बैठक में चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस कनवेशंन सेटर में एक ऑडिटोरियम, आर्ट गैलरी, प्रदर्शनी हॉल, मीटिंग रूम, प्रशासनिक भवन, फूड कोर्ट इत्यादि की व्यवस्था रहेगी।

उल्लेखनीय है कि शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी, 2026 के अवसर पर आयोजित परेड में इस संग्रहालय को प्रदर्शित किया गया। इससे छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे देश में जनजातीय वीर नायकों की अमर गाथाओं, उनकी देश भक्ति, अद्यम साहस और बलिदान की परंपरा को नई पीढ़ी को जानने समझने का अवसर राष्ट्रीय मंच पर प्राप्त हुआ। इस संग्रहालय के उद्घाटन के बाद तीन माह में लगभग एक लाख से अधिक पर्यटकों द्वारा भ्रमण कर लिया गया है।

समाज कल्याण विभाग की योजनाएं बनीं सम्मान

सुरक्षा और आत्मविश्वास का आधार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता की भावना के साथ संचालित योजनाओं से वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, विधवाओं, निराश्रितों एवं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में उल्लेखनीय सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। सूरजपुर जिले में सामाजिक सहायता पेंशन योजना के अंतर्गत 70,014 हितग्राहियों को नियमित रूप से पेंशन का प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया जा रहा है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली के माध्यम से पेंशन वितरण में पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित हुई है।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए जिले में अब तक 5,230 विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र जारी किए जा चुके हैं। इसके साथ ही 546 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं, जिससे उनकी दैनिक गतिविधियों में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। विशेष विद्यालयों एवं पुनर्वास केंद्रों के विस्तार से शिक्षा एवं पुनर्वास की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिले में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। वहीं सियान हेल्पलाइन केंद्र के माध्यम से बुजुर्गों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। वृद्धाश्रम एवं नशामुक्ति देखभाल गृहों के माध्यम से निराश्रित एवं उपेक्षित व्यक्तियों को आश्रय, पहचान और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ, पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी: मुख्यमंत्री

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने में मीडिया की अहम भूमिका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज शाम रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ-ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी सहित समस्त कार्यकारिणी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर प्रेस क्लब का इतिहास अत्यंत समृद्ध रहा है। यह देश के पुराने एवं प्रतिष्ठित प्रेस क्लबों में से एक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारी प्रेस क्लब की गरिमा और प्रतिष्ठा को और ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं। पत्रकार समाज के प्रति सजग रहते हुए साहस के साथ गरीबों, वंचितों और आमजन की आवाज को बुलंद करते हैं। साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र की डबल इंजन सरकार ने सुदृढ़ रणनीति के साथ नक्सलवाद के विरुद्ध लगातार निर्णायक सफलता हासिल की है। बीते दो वर्षों में हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और पराक्रम के कारण नक्सलवाद आज समाप्ति की ओर है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का पूर्णतः खात्मा किया जाएगा, जो निश्चित रूप से शीघ्र साकार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार पत्रकार कठिन एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करते हैं। हमारी बहन-बेटियाँ भी पत्रकारिता के क्षेत्र में पूरी जिम्मेदारी और साहस के साथ अपनी भूमिका निभा रही हैं, जो समाज के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार सदैव चौथे स्तंभ की स्वतंत्रता और अधिकारों की पक्षधर रही है। गत वर्ष के बजट में पत्रकारों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। पत्रकारों के विभिन्न समूहों को अध्ययन एवं भ्रमण के लिए देश के अलग-अलग स्थानों पर भेजा गया, जिसमें महिला पत्रकार भी शामिल रहीं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों द्वारा लौटकर साझा किए गए अनुभव अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने फेक न्यूज़ के बढ़ते चलन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक गंभीर विषय है, जिस पर विचार और समाधान की आवश्यकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस दिशा में पत्रकार समुदाय द्वारा सकारात्मक पहल की जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि पत्रकारों के साथ राज्य सरकार पूरी मजबूती से खड़ी है तथा प्रेस क्लब अध्यक्ष द्वारा रखी गई मांगों पर सरकार सकारात्मक रूप से विचार करेगी।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकार समाज के अभिन्न अंग हैं। पत्रकारों द्वारा उठाए गए विषय सदैव समाजहित से जुड़े होते हैं और उनसे शासन-प्रशासन को समाज की वास्तविक जरूरतों को समझने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार हर विषय पर पत्रकारों के साथ है और रायपुर प्रेस क्लब के सुदृढ़ विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने भी सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्री हिमांशु द्विवेदी एवं प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।कार्यक्रम के दौरान श्री बसंत वीर उपाध्याय की पुस्तक आईएएस की तैयारी और श्रीरामचरितमानस का विमोचन भी किया गया।

दो सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 7.90 करोड़ रूपए स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा बस्तर जिले के अंतर्गत दो सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 7 करोड़ 90 लाख 9 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। सिंचाई योजनाओं के स्वीकृत कार्यों में विकासखण्ड-जगदलपुर के कुम्हरावण्ड उद्वहन सिंचाई योजना के नहर लाईनिंग कार्य हेतु 4 करोड़ 84 लाख 4 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। सिंचाई योजना के प्रस्तावित कार्यों के हो जाने पर रूपांकित सिंचाई 680 हेक्टेयर में 624.40 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित 25 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई की जा सकेगी। इसी प्रकार से विकासखण्ड-बकावण्ड की पीठापुर तालाब के जीर्णोद्धार कार्य के लिए तीन करोड़ 6 लाख 5 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा